राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 08 जुलाई 2022 वर्ष-5,अंक-163 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच नई चिंता, भारत में मिला ओमिक्रॉन का नया सब वेरिएंट BA.2.75

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के मरीजों का बढ़ना जारी है। इसी बीच खबर है कि देश में ओमिक्रॉन का नया सब वेरिएंट BA.2.75 मिला है। इस बात की जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दी है। बताय गया कि पहले इस सब लाइनेज की पहचान भारत में हुई थी और बाद में यह अन्य देशों में भी फैल गया। फिलहाल, WHO BA.2.75 पर नजर बनाए हुए है। WHO के महानिदेशक टेडरोस अधानोम घेब्रेएसस ने कहा, बीते दो हफ्तों के दौरान दुनियाभर में मिलने वाले मामले करीब 30 फीसदी बढ़ गए हैं। WHO के 6 में से 4 उप क्षेत्रों में बीते सप्ताह में मरीज बढ़े हैं। उन्होंने कहा, यूरोप और अमेरिका में BA.4 और BA.5 की लहर है। भारत जैसे देशों में BA.2.75 की नई लाइनेज भी मिली है, जिसे हम देख रहे हैं।

सरकार ने घटाई प्रीकॉशन डोज लेने की समय सीमा, जानें कब लगवा सकेंगे टीका

WHO की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने भी BA.2.75 के बारे में जानकारी दी है। ट्विटर पर पोस्ट एक वीडियो में उन्होंने बताया कि BA.2.75 पहले भारत में पाया गया था, इसके बाद 10 अन्य देशों से मिला। उन्होंने बताया कि सब वेरिएंट का विश्लेषण करने के लिए अभी भी बहुत सीमित सीक्वेंस मौजूद हैं। उन्होंने कहा, हमने इंतजार करना और देखना होगा। स्वामीनाथन ने बताया कि WHO इसे ट्रैक कर रहा है और WHO टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप दुनियाभर से मिल रहे डेटा को लगातार देख रहा है।

भारत में क्या हैं कोरोना वायरस के हाल-भारत में कोरोनावायरस संक्रमण के 18 हजार 930 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान 35 मरीजों की मौत हुई। नए आंकड़ों को मिलाकर भारत में मरीजों की संख्या 4 करोड़ 35 लाख 66 हजार 739 पर पहुंच गई है।

शिंदे को उद्धव से समझौते की उम्मीद नहीं : कहा

शिवसेना पर दावा विधायकों से पूछकर करेंगे; लोकसभा में राउत ने चीफ व्हिप बदलने की अर्जी दी

मुंबई। मराठी सियासत की लड़ाई अब दिल्ली के सियासी गलियारों में पहुंच गई है। विधायकों के बागी होने के बाद उद्धव ठाकरे सांसद बचाने में जुट गए हैं। बागी गुट के गुलाब राव पाटिल की ओर से 12 सांसदों के साथ होने के दावे के बीच संजय राउत ने लोकसभा में चीफ व्हिप बदलने की अर्जी दी है। संजय राउत ने लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने लेटर में ठाणे से सांसद राजन विचारे को चीफ व्हिप बनाने की सिफारिश की है। पहले इसकी जिम्मेदारी यवतमाल-वाशिम से सांसद भावना गवली के पास थी। इधर, सियासी उठापटक के बीच एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि उद्धव से सुलह संभव नहीं है।

उद्धव से सुलह की उम्मीद नहीं-शिंदे

मुख्यमंत्री शिंदे ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा है कि उद्धव ठाकरे के साथ सुलह की कोई उम्मीद नहीं है। जिस तरह से वे हम पर आरोप लगा रहे हैं। हमारी आलोचना कर रहे हैं, हमें गुट के नेता पद से हटा दिया। मुझे नहीं लगता कि उनसे अब कोई सुलह नहीं हो पाएगी। शिंदे ने कहा कि हम पार्टी पर दावा विधायकों और नेताओं से पूछकर करेंगे।

राजन विचारे सीएम शिंदे के करीबी

राजन विचारे मुख्यमंत्री शिंदे के काफी करीबी माने जाते हैं, क्योंकि विचारे ठाणे लोकसभा क्षेत्र से आते हैं। शिवसेना के लोकसभा में 18 और राज्यसभा में तीन सांसद हैं। सूत्रों के मुताबिक पिछले दिनों शिवसेना के 4 सांसदों ने उद्धव को शिंदे से सुलह करने का सुझाव दिया था। इनमें गवली भी शामिल थे, माना जा रहा है कि इसी वजह से उनपर कार्रवाई हुई है।

उद्धव पार्टी संगठन और चुनाव चिह्न बचाने में व्यस्त

इस्तीफे के बाद से ही उद्धव ठाकरे लगातार पार्टी के नेताओं के साथ मीटिंग कर रहे हैं। उन्होंने पूरा ध्यान संगठन पर केंद्रित किया है ताकि एकनाथ शिंदे शिवसेना संगठन में सेंधमारी न कर सकें और शिवसेना के चुनाव चिन्ह तीर-धनुष को बचा सकें।

इधर, संजय राऊत और आदित्य ठाकरे ने दावा किया है कि आज नहीं तो कल बागी घर लौटेंगे और उन्हें शिवसैनिकों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। इधर, महाराष्ट्र के नए सीएम एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि उद्धव गुट के 14 सांसद उनके संपर्क में हैं।

मुंबई लौटने लगे शिंदे गुट के विधायक

शिंदे गुट के विधायक शिवसेना के खिलाफ बगावत कर वापस मुंबई लौटने लगे हैं। 5 विधायक अपने क्षेत्र वापस लौट आए, लेकिन आक्रामक कहे जाने वाले शिवसैनिकों के तेवर ठंडे पड़े हुए हैं। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में आक्रामक तेवर के लिए मशहूर शिवसैनिकों ने बागी विधायकों के खिलाफ न तो कोई विरोध प्रदर्शन किया और न ही कहीं तोड़फोड़ की।

बागी विधायक अपनी आक्रमकता के बूते जश्न मनाते हुए लौट रहे हैं। सबकी नजर 11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई पर है। कोर्ट में 16 बागी विधायकों की याचिका पर सुनवाई होगी, जिसमें उनकी सदस्यता पर खतरा मंडरा रहा है।

महाराष्ट्र में बारिश का 'रेड अलर्ट', राजधानी दिल्ली में मिलेगी गर्मी से राहत

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने साउथ कोंकण, गोवा और साउथ सेंट्रल महाराष्ट्र में 'रेड अलर्ट' घोषित किया है। वहीं नॉर्थ सेंट्रल महाराष्ट्र, पूर्वी विदर्भ और पश्चिमी विदर्भ में अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पुणे, सतारा और कोल्हापुर जिलों में भी भारी से भारी बराशि की संभावना जताई गई है। अगले तीन दिन तक यहा मूसलाधार वर्षा हो सकती है। बारिश की वजह से राज्य की नदियों में भी उफान देखा जा रहा है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को कई जिलों में तैनात किया गया है। कोल्हापुर की पंचगंगा नदी खतरे के निशान से केवल 7 फीट नीचे है। कोल्हापुर की सिरोल तहसील में एनडीआरएफ की दो टीमों को तैनात किया गया है। बता दें कि कोल्हापुर जिले में साल 2019 और 2021 में भयंकर बाढ़ आई थी। मौसम विभाग ने कहा कि अगले तीन दिन घाट इलाकों में भारी बारिश होगी। पुणे के लिए सात जुलाई को रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा तेलंगाना में भी अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा कि पिछले 24 घंटे में भी तेलंगाना में अच्छी बारिश हुई है। आने वाले दिनों में भी यहां अच्छी बारिश होने वाली है। इसके अलावा आंतरिक कर्नाटक, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भारी से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच

दिनों तक कोंकण और गोवा मं भी भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा तटीय कर्नाटक में भी बादल मेहरबान रहेंगे। गुरुवार को दिल्ली में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में एक दिन पहले उमस भरी गर्मी थी जिससे राहत के आसार हैं।

जम्मू-कश्मीर में एके सीरीज के हथियार बढ़ा रहे चिंता, विदेशी आतंकियों की घुसपैठ भी चुनौती

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकरोधी अभियानों के तहत लगाता आतंकियों की धर-पकड़ और एनकाउंटर हो रहे हैं। हाल में ऐसा कोई बड़ा आतंकी हमला तो नहीं हुआ है लेकिन एके सीरीज के हथियारों की बरामदगी और यूनियन टेरटरी में विदेशी आतंकियों की घुसपैठ ने चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले डेढ़ साल में कई आतंकी संगठन स्थानीय नागरिकों, पर्यटकों, सुरक्षाबलों पर हमला करवाने केलिए छोटे हथियार भेज रहे हैं और स्थानीय युवाओं का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी को देखते हुए सुरक्षाबलों ने बड़ा अभियान शुरू किया और बड़ी संख्या में एके सीरीज के हथियार बरामद किए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से एक सीरीज के हथियारों की तस्करी बढ़ी है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि ऐसे आधुनिक और छोटे आकार के हथियार अब जम्मू-कश्मीर तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि पंजाब और हरियाणा तक ये पहुंचाए जा रहे हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक विदेशी आतंकियों के मारे जाने और एके सीरीज के हथियारों की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान से न केवल हथियार बल्कि आतंकी भी भेजे जा रहे हैं।

पहले देखा गया कि 2020 और 2021 में आतंकी संगठनों के पास हथियारों की कमी थी। ऐसे में वे नए आतंकियों को ज्यादा आधुनिक हथियार देने से बचते थे। केवल कमांडर ही ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया करते थे। लेकिन अब फिर से स्थिति बदल रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 118 आतंकी मारे गए हैं जिसमें से 32 विदेशी थे।

मुख्तार अब्बास नकवी ने मोदी मंत्रीमंडल से इस्तीफा दिया

पिछले साल के आंकड़ों से तुलना करें तो इस साल 15 गुना ज्यादा विदेशी आतंकी मारे गए। सीआरपीएफ का कहना है कि अब भी 82 विदेशी आतंकी सक्रिय हैं जिनकी तलाश जारी है। दूसरी तरफ बीएसएफ का कहनाहैकि बॉर्डर पर एके सीरीज के 9 हथियार सीज किए गए हैं। पिछले साल भी इतने ही हथियार जब्त हुए थे। बीएसएफ का कहना है कि केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि अन्य सीमावर्ती राज्यों में भी ऐसे सोफिस्टिकेटेड हथियार भेजे जा रहे हैं।

कर्नाटक के केरूर में 2 समुदायों के बीच हिंसा

आगजनी के बाद धारा 144 लागू; स्कूल-कालेजों में छुट्टी घोषित

बेंगलुरू। कर्नाटक के केरूर में दो समुदायों के बीच हिंसा की घटना सामने आई है। दो समूहों के बीच तीखी बहस के बाद तीन लोगों में मारपीट हो गई, जिसमें वे घायल हो गए। इसके कारण बागलकोट में दो समुदायों में हिंसा शुरू हो गई। इस हिंसा में कई दुकानों में आग लगा दी गई और कई रेहड़ी को क्षतिग्रस्त किया गया है।

केरूर में लगाई गई धारा 144

बागलकोट के डीसी पी सुनीलकुमार ने बताया कि अब हालात सामान्य है। उन्होंने बताया कि इस घटना में हिंदू जागरण वेदिके के कार्यकर्ता शामिल थे। केरूर में 8 जुलाई सुबह 8 बजे तक धारा 144 लागू कर दी गई है।

केरूर के स्कूलों और कालेजों में छुट्टी घोषित-बता दें कि पुलिस ने घटना के सिलसिले में 10 लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे

पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि घटना के तुरंत बाद बदमाशों का एक समूह बाजार में घुस गया और गाड़ियों में आग लगा दी और बाइकों में तोड़फोड़ की। वहीं हिंसा के चलते केरूर में स्कूलों और कालेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी गई है।

गोवा में हिंदुओं का धर्मांतरण बंद, सीएम प्रमोद सावंत बोले- 100 दिनों में लगाई रोक

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राज्य में हिंदुओं के धर्मांतरण पर पूरी तरह लगाम लगने का दावा किया है। उन्होंने कहा है कि सरकार ने 100 दिनों के भीतर तटीय राज्य में धर्मांतरण पर रोक लगा दी है। बुधवार को हुए एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सावंत ने एक किताब भी जारी की, जिसमें भारतीय जनता पार्टी की 'डबल इंजन की सरकार' के काम के बारे में बताया गया है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने धार्मांतरण पर सख्त रवैया अपनाया है। हमने हिंदुओं के धर्मांतरण को रोका... जो पहले हो रहा था। खास बात है कि इससे पहले भी वह राज्य के लोगों को धर्मांतरण को लेकर सतर्क रहने की सलाह दे चुके हैं। उन्होंने आगे

सरकार कभी भी धर्मांतरण की अनुमति नहीं देती, लेकिन मुझे फिर भी लगता है कि लोगों को सतर्क रहना जरूरी है...

कहा, सालों से चल रहे धर्मांतरण को रोका गया है... हमने अवैध भूमि अधिग्रहण मामले में जांच के लिए SIT का गठन किया है। मार्च में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 40 सीटों वाले राज्य में 20 सीटों पर जीत के साथ राज्य में सत्ता बरकरार रखी थी। इसके अलावा कुछ निर्दलीयों ने भी भाजपा का समर्थन किया था। वहीं, कांग्रेस 12 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही थी।

पहले भी कही थी धर्मांतरण की बात-अप्रैल में एक मंदिर के कार्यक्रम में पहुंचे सावंत ने कहा था, एक बार फिर धर्म पर हमला हो रहा है। मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं। हमने देखा है कि गोवा के कई हिस्सों में लोग धार्मांतरण की ओर जा रहे हैं। अलग-अलग चीजों का फायदा उठाकर कि कोई गरीब है, कोई संख्या में कम है, कोई पिछड़ा हुआ है, किसी के पास भोजन या नौकरी नहीं है। इस तरीके से लोगों को ले जाया जा रहा है। हम कहते हैं कि गलती से ऐसे हालात में कोई धर्मांतरण नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा, सरकार कभी भी धर्मांतरण की अनुमति नहीं देती, लेकिन मुझे फिर भी लगता है कि लोगों को सतर्क रहना जरूरी है... गांवों में मंदिर ट्रस्ट को सतर्क रहना जरूरी है, परिवारों को सतर्क रहना जरूरी है। उन्होंने कहा, 60 साल पहले (गोवा में पुर्तगाल शासन) हमने कहा था देव, धर्म अनी देश और इसी भावना के साथ आगे बढ़े थे। अगर हमारे भगवान सुरक्षित हैं, हमारा धर्म सुरक्षित है और अगर हमारा धर्म सुरक्षित है, हमारा देश सुरक्षित है।

केजरीवाल ने CAG की जिस रिपोर्ट पर थपथपाई अपनी पीठ उसी में AAP सरकार की कई खामियों का जिक्र

नई दिल्ली। कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया की जिस रिपोर्ट पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपनी पीठ थपथपाई और आम आदमी पार्टी सरकार की 'ईमानदारी' का सबसे बड़ा सबूत बताया, उसी में सरकार की कई खामियों का भी जिक्र किया गया है। 2018-19 से 2019-20 के बीच दिल्ली के सामाजिक, सामान्य और आर्थिक विभागों के ऑडिट की इस रिपोर्ट को मंगलवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में पेश किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली सरकार की कई परियोजनाएं या तो केवल कागजों तक सिमटी रहीं या फिर आंशिक रूप से लागू किया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली सरकार दिसंबर 2018 तक 1,797 अनऑथराइज्ट कॉलोनियों में पाइप से पानी की सप्लाई का वादा पूरा करने में पिछड़ गई, जबकि 1,573 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में मार्च 2018 तक सीवर की सुविधा नहीं पहुंची। घर बनाने के लक्ष्य में भी सरकार का प्रदर्शन खराब रहा और कई नीतिगत पहलों पर अमल नहीं हुआ या आंशिक रूप से काम हुआ।

अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में पानी और सीवर-सीएजी रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी 1797 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में पाइप से पानी की आपूर्ति करने के लिए रणनीतिक प्लान के अभाव में 2013 से

2018 के बीच केवल 353 कॉलोनियों में यह सुविधा दी जा सकी, जिसका वादा केजरीवाल सरकार ने किया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्च 2018 तक 567 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों के लोग पानी की अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए ट्यूबवेल/हैंडपंप और दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर्स पर निभर हैं। इस तरह की 88 फीसदी कॉलोनियों में मार्च 2018 तक सीवर की व्यवस्था नहीं हो पाई। इस वजह से इन कॉलोनियों की गंदगी नालों से होते हुए सीधे यमुना में चली जाती है।

घर बनाने में भी पिछड़ी केजरीवाल सरकार-सीएजी रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार की योजना जवाहरलाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूअल मिशन 2005 में लॉन्च किए जाने के 10 साल बाद इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो पाया। रिपोर्ट में कहा गया है, ऐसा मुख्य तौर पर प्रॉजेक्ट्स की प्लानिंग, उसे लागू करने में कमी और लाभार्थियों की पहचान की धीमी गति की वजह से हुआ। दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रीयल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड के पास 52,344 आवासीय इकाइयों वाले 14 हाउजिंग प्रॉजेक्ट्स की जिम्मेदारी थी, लेकिन इन 14 में 4 प्रॉजेक्ट्स (24000 इकाइयां) अधूरे रह गए और 755.26 करोड़ रुपए खर्च हुए। CAG रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार केवल 5,483 लाभार्थियों का ही पता लगा पाई और 2018 तक महज 1864 को ही इन आवासीय इकाइयों में शिफ्ट कियाा जा सका। रिपोर्ट में कहा गया है, लाभार्थियों की पहचान में देरी की वजह से 90 फीसदी से अधिक (28,344) आवासीय इकाइयां, जो जून 2018 में बनकर तैयार हो गई थीं, खाली रह गईं और इसकी वजह से खराब होने की आशंका बढ़ गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार मित्र को प्रकृति की उत्कृष्ट कृति माना जा सकता है। -अमरसन

संपादकीय

सोश्यल मीडिया पर अंकुश जरूरी

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

सोश्यल मीडिया की प्रसिद्ध कंपनी, ट्विटर, ने यह कहकर अदालत की शरण ली है कि भारत सरकार अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रही है, क्योंकि वह चाहती है कि ट्विटर पर जानेवाले कई संदेशों को रोक दिया जाए या हटा दिया जाए। उसने गत वर्ष किसान आंदोलन के दौरान जब ऐसी मांग की थी, तब कई संदेशों को हटा लिया गया था। लेकिन ट्विटर ने कई नेताओं और पत्रकारों के बयानों को हटाने से मना कर दिया था। जून 2022 में सरकार ने फिर कुछ संदेशों को लेकर उसी तरह के आदेश जारी किए हैं लेकिन अभी यह ठीक-ठीक पता नहीं चला है कि वे आपत्तिजनक संदेश कौन-कौन से हैं? क्या वे न्यायाधीशों की मनमानी टिप्पणियां हैं या नेताओं के निरंकुश बयान हैं या साधारण लोगों के अनाप-शनाप अभिमत हैं?

सरकारी आपत्तियों को ट्विटर कंपनी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया है। उसका कहना है कि ज्यादातर आपत्तियां विपक्षी नेताओं के बयानों पर है। केंद्रीय सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि सरकार ऐसे सब संदेशों को हटवाना चाहती है, जो समाज में बैर-भाव फैलाते हैं, लोगों में गलतफहमियां फैलाते हैं और उन्हें हिंसा के लिए भड़काते हैं। पता नहीं कर्नाटक का उच्च न्यायालय इस मामले में क्या फैसला देगा लेकिन सैद्धांतिक तौर पर वैष्णव की बात सही लगती है परंतु असली प्रश्न यह है कि सरकार अकेली कैसे तय करेगी कि कौनसा संदेश सही है और कौनसा गलत? अफसरों की एक समिति को यह अधिकार दिया गया है लेकिन ऐसे कितने अफसर हैं, जो मंत्रियों के निर्देशों को स्वविवेक की तुला पर तोलने की हिम्मत रखते हैं? इस बात की पूरी संभावना है कि वे हर संदेश की निष्पक्ष जांच करेंगे लेकिन अंतिम फैसला करने का अधिकार उसी कमेटी को होना चाहिए, जिस पर पक्ष और विपक्ष, सबको भरोसा हो। इसमें शक नहीं है कि सामाजिक मीडिया जहां सारे विश्व के लोगों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है, वहीं उसके निरंकुश संदेशों ने बड़े-बड़े कोहराम भी मचाए हैं। आजकल भारत में चल रहा पैगंबर-विवाद और हत्याकांड उसी के वजह से हुए हैं। जरुरी यह है कि समस्त इंटरनेट संदेशों और टीवी चैनलों पर कड़ी निगरानी रखी जाए ताकि लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन कोई भी नहीं कर सके। सामाजिक मीडिया और टीवी चैनलों पर चलनेवाले अमर्यादित संदेशों की वजह से आज भारत जितना परेशान है, उससे कहीं ज्यादा यूरोप उद्वेलित है। इसीलिए यूरोपीय संघ की संसद ने कल ही दो ऐसे कानून पारित किए हैं, जिनके तहत गूगल, एमेजान, एप्पल, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट जैसे कंपनियां यदि अपने मंचों से मर्यादा भंग करें तो उनकी कुल सालाना आय की 10 प्रतिशत राशि तक का जुर्माना उन पर ठोका जा सकता है। यूरोपीय संघ के कानून उन सब उल्लंघनों पर लागू होंगे, जो धर्म, रंग, जाति और राजनीति आदि को लेकर होते हैं। भारत सरकार को भी चाहिए कि वह इससे भी सख्त कानून बनाए लेकिन उसे लागू करने की व्यवस्था ठीक से करे।

विदेशी निवेश और आर्थिक सुरक्षा में हो समन्वय

तरुण दास

इस वक्त विश्व का हर मुल्क उतार-चढ़ाव और अत्यंत चुनौतीपूर्ण एवं अनिश्चितता भरे समय का सामना कर रहा है। वह देश जिनके पास काबिलियत है, अपने विकास और आर्थिकी को उच्चतम संभावित स्तर पर ले जाने की खातिर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में बाहरी स्रोत पाना चाहते हैं। भारत भी विदेशी निवेश की चाहत रखता है, जिससे कि नई तकनीक और रोजगार मिलें और अतिरिक्त स्रोत पैदा हों। अनुमान लगाया गया है कि भारत के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति विदेशी प्रत्यक्ष निवेश लगभग 60 डॉलर है। यह अच्छा है और फिलहाल भारत वह देश है, जिसकी विकास दर इस मामले में सबसे ऊंची है। लेकिन करोड़ों की संख्या में नए रोजगार पैदा करने, गरीबी से निजात पाने और भारत को जिस तरह की अनेकानेक समस्याएं दरपेश हैं, उनका हल निकालने के लिए प्रति व्यक्ति प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 100 डॉलर होना जरूरी हो जाता है। किंतु प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में हमारा स्थान अच्छा रहने के बावजूद क्या हम यह स्तर पा सकेंगे? और ऐसी दुनिया में यह संभव है जहां आज विदेशी निवेश पाने में भारी प्रतिस्पर्धा हो और सभी देश पूंजी लगाने वालों को बेहतर आकर्षक प्रोत्साहन देकर रिझाने में लगे हैं। प्रतिस्पर्धा जिंदगी का एक रोचक अवयव भी है, यह दबाव पैदा करती है और नूतन विचारों और रणनीति का उद्भव होता है। भारत आगे बढ़ सकता है मगर कुछ कारकों पर ध्यान देना जरूरी है। सर्वप्रथम, विदेशी निवेशकों का एक बहुत बड़ा मसला यह रहा है कि किसी कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक होने पर रोक थी। आज अधिकांश क्षेत्रों में इसकी इजाजत है। यहां तक कि रक्षा उद्योग और बीमा क्षेत्र में भी, दीगर संयुक्त उपक्रमों में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत तक रहने की छूट दे गई है। यह सोचकर कि कहीं कंपनियों का नियंत्रण और नियमन विदेशी निवेशकों के हाथ में न चला जाए इसलिए हिस्सेदारी में उनकी ऊपरी सीमा 50 फीसदी तक सीमित रखने की मानसिक-ग्रंथि का नतीजा यह अवयव था। द्वितीय, भारत में सरकारी दफ्तरों में कामकाजी प्रक्रिया और गति कभी तेज नहीं रही। वास्तव में एकल खिड़की सुविधा नहीं थी, खासकर उन उद्यमों में जहां केंद्रीय और राज्य सरकारें, दोनों की मंजूरी लेना शामिल हो। बहुत से देशों में विदेशी निवेशकों को बढ़ावा देने और त्वरित हरी झंडी देने के लिए एक शक्ति-संपन्न बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट नामक अलग विभाग है। भारत में जिस कदर बाबूडम हावी है, जरूरी है इसके मद्देनज़र प्रधानमंत्री कार्यालय के तहत बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट बनाकर इसका अलग सचिवालय हो। जब 1991-96 के बीच विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड के रूप में ऐसी व्यवस्था हुआ करती थी। बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट और विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की अध्यक्षता भारत सरकार का वह सचिव करे, जिसकी वरिष्ठता का सम्मान सब करते हों। जो भी प्रस्ताव आए उसे 90 दिनों के भीतर मंजूरी मिले या वापस भेजा जाए। इन्वेस्टमेंट इंडिया नामक एक संस्था जरूर है, लेकिन यदि प्रति व्यक्ति 100 डॉलर विदेशी निवेश पाने का लक्ष्य पाना है तो प्रधानमंत्री कार्यालय को और ज्यादा भूमिका निभानी होगी। तृतीय, भारत को विदेशी निवेश पाने के लिए विश्व की चोटी की 500 कंपनियों तक पैठ बनाने के लिए एक गतिशील रणनीति बनाने की जरूरत है। आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और उद्योगों के स्थानांतर पर बहुत कुछ कहा जा चुका है परंतु भारत में इन विचारों का लाभ कम ही हुआ है। एशिया में विदेशी निवेश की आमद का असली फायदा वियतनाम और थाइलैंड को हुआ है। उनके बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट गतिशील प्रोत्साहन नीति का पालन के अलावा एक सुचारु मंजूरी प्रक्रिया रखते हैं। चतुर्थ, हमारी बहुत-सी नीतियों में कही बातें साफ न होने से स्पष्टता की कमी रहती है और निर्णय लेने में देरी होती है। नीतियां सुस्पष्ट शब्दों में हों जिन्हें पढ़ने वाला आसानी से समझ ले। यह काम भारतीय नीति एवं प्रक्रिया की इबारत लिखने वालों के लिए एक चुनौती है। हर बार जो प्रारूप छपता है, उसके अलग मायने निकलते हैं और इससे देरी और भ्रष्टाचार का मौका बनता है। देरी होना मायने कई तरह का घाटा।पंचम, प्रक्रिया नीतियों की निरंतरता स्थाई बनाई जाए। न कोई यू-टर्न हो, न आश्चर्यभरा कदम। न ही विगत के संदर्भ में कार्रवाई हो। जब बात भारत की आए तो यह वह मसले हैं जो विदेशी निवेशकों को पूंजी लगाने में डरा देते हैं। भारत को एक ऐसा देश माना जाता है जहां 'कभी रोका-कभी जाने दिया' प्रवृत्ति है, जब चाहा प्रक्रिया बदल जाती है और जो नीतियों में निरंतरता बरतने में यकीन नहीं रखता। विदेशी निवेशकों के लिए यह बड़ी समस्या है। उन्हें वास्तविक आश्वासन सिर्फ तभी मिल पाएगा जब संसद में इस पर बाकायदा कानून और अधिनियम पारित हो। यह भी कि विगत के संदर्भ में कार्रवाई नहीं होगी। छष्ठम, भारत को विश्वसनीय संयुक्त उद्यम साझीदार पाने में एक मुश्किल देश माना जाता है। फिर चाहे यह कंपनी सार्वजनिक हो या निजी क्षेत्र की। कुछेक भारतीय कंपनियों की साख और विश्वसनीयता की वजह से विदेशी निवेशक साझेदारी बनाने में दिलचस्पी उन तक केंद्रित रखते हैं। यह मसला सरकारें नहीं सुलझा सकेंगी। यह निजी क्षेत्र का मामला है और विगत में ऐसे बहुत से संयुक्त उद्यम हुए हैं, जो 'सांस्कृतिक भिन्नता' की वजह से टूट गए। इसलिए आगे की राह में सावधानी रखना ही सबसे सही होगा और दृष्टिकोण लंबी अवधि वाला रखना जरूरी है। सप्तम, भारत में पूंजी लगाने के लिए प्रेरित करने के लिए विदेशी निवेशकों को निरंतर सजग रखना जरूरी है। हमारा देश एक जरूर है लेकिन हर सूबा दूसरे से भिन्न है। राज्य से राज्य के बीच रीति-रिवाज, संस्कृति, भाषा बदल जाती है और राज्य सरकारों की ज्यादातर जिंदगी पांच साल होती है, सरकार बदलने के साथ नीतियां भी नई बनती हैं। यह कुछेक विषय हैं जिनके बारे में विदेशियों को पूर्व में चेताकर गलतियां न करने में मदद की जाए ताकि बाद में इल्जाम भारत पर न लगाएं। अष्टम, जहां भारतीय नीतियों का ज्यादा ध्यान बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जैसे कि अमेरिका, दक्षिण कोरिया, यूके, फ्रांस, जर्मनी और इटली के निवेशकों को आकर्षित करने पर केंद्रित रहता है वहीं किसी अन्य राष्ट्र विशेष की विशिष्ट तकनीक के आधार पर नीतियां और योजना बनाने की आवश्यकता पर ध्यान देना भी जरूरी है। इस बाबत छोटी अर्थव्यवस्थाओं का महत्व भी बड़े मुल्कों जितना है, जैसे कि इस्राइल, यूएई, सिंगापुर, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क इत्यादि जिनके पास अपनी विशिष्ट तकनीकें हैं, अतएव इनके लिए अलग से विशेष नीति बनाई जाए। भारतीय उद्योग जगत के लिए भी वक्त के साथ ढलना और नया अपनाना जरूरी है। नवम, भारत को नवीनतम डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल करते हुए विदेशी निवेश रणनीति प्रकोष्ठ बनाने की जरूरत है, जहां पर व्यापार, निवेश, कंपनियां, तकनीक, क्षेत्र, कार्यबल, अनिवासी भारतीय समुदाय की भूमिका इत्यादि संबंधी डाटा तत्काल उपलब्ध हों। यह प्रकोष्ठ की भूमिका विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पाने में काफी होगी क्योंकि आजकल रोजाना बदलते परिवेश में वास्तविक समय वाले डाटा का बहुत महत्व है। प्रति व्यक्ति विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 100 डॉलर का लक्ष्य पाने में उपरोक्त बताए अवयव जरूरी कारकों में हैं। भारत की वैश्विक स्थिति तब फिर बहुत महत्वपूर्ण हो जाएगी। साथ ही इसका सकारात्मक प्रभाव रोजगार, विकास और वृद्धि पर होगा! ठीक इसी समय, राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा हितों का भी ध्यान रखना होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय एक मुफीद संस्था रहेगी। पिछले कुछ सालों में, भारत ने आर्थिक सुरक्षा से संबंधित लंबित पड़े कुछ जरूरी कदम उठाए हैं जो आगे जारी रहें।

लेखक सीआईआई के पूर्व महानिदेशक हैं।

लैंगिक भेदभाव से मुक्त कानून से ही न्याय

क्षमा शर्मा

हाल ही में केरल हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी महिला के साथ दुष्कर्म होता है, उसे शादी का झांसा दिया जाता है, उसे फंसाया जाता है तो वह कानून की मदद लेकर अपराधी को सजा दिला सकती है, मगर यदि किसी पुरुष के साथ ऐसा हो, तो उसे कानून की कोई मदद नहीं मिलती। यह किस तरह का कानून है। कानून को लैंगिक भेदभाव से मुक्त होना चाहिए। इससे पहले एक और मुकदमे में भी वह ऐसे ही विचार रख चुके हैं। पिछले दिनों केरल के ही एक अभिनेता और निर्देशक पर एक अभिनेत्री ने दुष्कर्म का आरोप लगाया तो उन्होंने अपने फेसबुक लाइव में उस अभिनेत्री का नाम लिया जबकि ऐसा करना कानूनन अपराध है। लेकिन इस अभिनेता ने कहा कि जब मेरा नाम खुलेआम लिया जा रहा है तो मैं उस अभिनेत्री का नाम क्यों न लूं। क्या कोई समझ सकता है कि इस तरह के आरोप के बाद मेरे परिवार, मित्र, नाते-रिश्तेदारों पर क्या बीत रही है। अभिनेता की पोस्ट पर बहुत लोगों ने कहा कि आजकल ऐसा ही हो रहा है। इस तरह के झूठे मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। नेशनल क्राइम ब्यूरो के अनुसार 2020 में हर रोज भारत में सतहत्तर दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2014 में दिल्ली महिला कमीशन ने एक रिपोर्ट में बताया था कि अप्रैल, 2013 से जुलाई, 2014 तक दुष्कर्म के जितने मामले दर्ज कराए थे, उनमें से 53.2 प्रतिशत झूठे पाए गए थे। दर्ज कराए गए 2753 मामलों में 1287 मामले सही और 1464 झूठे थे। सोचें कि जब एक साल का आंकड़ा यह है, तो एक दशक का कितना होगा। कहा तो यह भी जाता है कि भारत में नए दुष्कर्म कानून बनने के बाद झूठे मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह भी बताया जाता है कि अक्सर जब किसी कारण से शादी नहीं हो पाती, माता-पिता को पता चलता है कि लड़की, लड़के के साथ लिव इन में थी, या कि दोनों के बीच संबंध रहे हैं और अब शादी नहीं हो पा रही, तो उन्हें लगता है कि इससे समाज में बहुत बदनामी होगी। इसलिए बहुत से मामलों में वे लड़कियों पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने का दबाव डालते हैं। कई बार अन्य कारणों जैसे प्रॉपर्टी, या लड़के के माता-पिता के साथ रहना, कोई प्रेम प्रसंग, लिव इन का टूट जाना, लड़ाई के बाद बदला लेने के लिए आदि के कारण भी ऐसे मामले दर्ज करा दिए जाते हैं। कुछ उदाहरण देखिए-इसी साल अप्रैल में एक स्त्री ने अपने पति पर आरोप लगाया था कि उसके पति ने शादी से पहले उसके साथ दुष्कर्म किया था। लेकिन अदालत में वह इस बात को साबित नहीं कर पाई थी। तब अदालत ने उस पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इंदौर में भी एक महिला ने अपने पड़ोसी और उसके दोस्तों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था। बाद में जांच के दौरान पता चला कि इससे पहले भी वह ऐसा आरोप लगा चुकी है। सरकार की तरफ से उसे दो लाख का मुआवजा भी दिया गया था। बहुत से लोग कहते हैं कि झूठे मामलों की बाढ़ का कारण सरकारों की तरफ से मिलने वाला मुआवजा भी है। सबसे ज्यादा हैरत तो यह देखकर होती है, कई बार यदि ऐसे मामलों में लड़की की जान चली जाए तो उसके घर वालों को तरह-तरह के आर्थिक लाभ से लाद दिया जाता है। इसमें बहुत से राजनैतिक दल बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आखिर क्यों? लड़की के साथ अपराध हुआ, उसकी जान चली गई, बदले में पीड़िता के घर वालों को क्यों ऐसे लाभ मिलने चाहिए। इन कारणों से माता-पिता में भी लालच की भावना बढ़ती है। मुआवजे की आस में बहुत बार वे भी अपनी ही लड़कियों से ऐसे केस दर्ज करा देते हैं। जो कई बार झूठे पाए जाते हैं। गाजियाबाद में भी एक महिला ने पड़ोसी पर आरोप लगाया था कि उसने उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया है, बाद में यह मामला भी झूठा साबित हुआ था। महिला पर जुर्माना भी लगाया गया था। आपको उत्तर प्रदेश के विष्णु तिवारी का मामला तो याद ही होगा, जिसने झूठे दुष्कर्म आरोप के कारण पूरे बीस साल जेल में बिताए। जब बाहर आया तो न तो परिवार का कोई सदस्य जिंदा था, कच्चा घर ढह गया था। पास में फूटी कौड़ी नहीं थी, जिससे कोई काम-धंधा शुरू कर सके। अब जब अदालतें और न्यायाधीश भी इस तरह के मामलों पर टिप्पणी कर रहे हैं, ऐसे केसों को झूठा पाए जाने पर महिलाओं को चेतावनी दे रहे हैं, उन पर मुकदमा चलाने के आदेश दे रहे हैं तो इन बातों पर विचार करना जरूरी है कि जब भी महिलाओं के हितों के कानून बनाए जाएं, उन्हें लैंगिक भेदभाव से मुक्त रखा जाए। जिससे कि जो भी सताया गया हो, चाहे स्त्री हो या पुरुष, उसे कानून की मदद मिल सके। ऐसा न हो कि झूठे आरोप लगाने पर भी किसी को सजा हो और कोई झूठे आरोपों के कारण जिंदगी भर के लिए नेस्तनाबूद हो जाए। एक बात और, जैसे ही किसी पर दुष्कर्म का आरोप लगता है, उसके फोटो, नाम सब मीडिया द्वारा लगातार सार्वजनिक कर दिए जाते हैं। बार-बार फोटो दिखाए जाते हैं। आरोपी को एक तरह से अपराधी ही साबित कर दिया जाता है। लेकिन जब यही व्यक्ति आरोप मुक्त हो जाता है तो कहीं कोई खबर नहीं आती। जबकि लड़की का न नाम सार्वजनिक किया जाता है, न ही कोई फोटो दिखाई जाती है, चाहे आरोप झूठा साबित हो जाए। इसलिए यह भी जरूरी है कि जब तक आरोप साबित न हो जाएं, जिस तरह से लड़कियों की पहचान छिपाई जाती है, लड़कों की भी पहचान छिपाई जानी चाहिए। आखिर उनके मानव अधिकारों का ध्यान भी रखा जाना चाहिए। यदि यह माना जाता है कि लड़की की पहचान इसलिए छिपाई जानी चाहिए जिससे कि उसे सामाजिक बदनामी न झेलनी पड़े, तो लड़कों के बारे में भी यही सच है। ऐसा क्यों मान लिया गया कि लड़कों को सामाजिक बदनामी और बहिष्कार का कोई डर नहीं होता। इसके अलावा न केवल दुष्कर्म कानून बल्कि यौन प्रताड़ना कानून, दहेज कानून, घरेलू हिंसा कानूनों में भी सुधार की जरूरत है। जिन कानूनों में मात्र नाम लगते ही गिरफ्तारी की जाती है, जब तक आरोप साबित न हो जाएं तब तक किसी को गिरफ्तार न किया जाए। कई बार तो दहेज कानून के अंतर्गत सारे नाते-रिश्तेदारों के नाम लगा दिए जाते हैं। बहुत से मामलों में भारी रकम लेकर समझौते किए जाते हैं।

आज के कार्टुन

नकारात्मक भाव

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चारों ओर प्रकाश व्याप्त होने पर भी व्यक्ति अंधकार का रोना रो सकता है और अंधेरा-अंधेरा चीखता-चिल्लाता रह सकता है। इसके मात्र दो ही कारण हो सकते हैं। एक तो यह कि व्यक्ति किसी तंग कोठरी में चारों ओर से बंद दरवाजों और खिड़कियों के भीतर हो। उस स्थिति में बाहरी प्रकाश की, सूर्य देवता की एक भी किरण उस तक नहीं पहुंच सकती। दूसरा कारण व्यक्ति का दृष्टिहीन होना हो सकता है। इन दो कारणों को छोड़कर तीसरा कोई कारण नहीं है कि व्यक्ति अंधकार से दुखी और संतप्त रहे। मनुष्य के जीवन में भी इसी प्रकार दुख और वेदना का कोई अस्तित्व नहीं है। अंधकार एक नकारात्मक सत्ता है, प्रकाश का अभाव है। यह प्रकाश कई बार परिस्थितियों के कारण भी लुप्त हो जाता है, किंतु वैसी स्थिति में परमात्मा ने मनुष्य को वैसी क्षमता दे रखी है कि वह उनका उपयोग कर प्रकाश के अभाव को दूर कर सके। लेकिन अंधकार को देख-देख कर ही जिसे भयभीत होते रहना हो, संतप्त और दुखी रहना हो, तो उसके लिए अंधकार से मुक्त होने का कोई उपाय नहीं है। दुख भी अंधकार के समान नकारात्मक भाव है। उसका कोई अस्तित्व नहीं है। व्यक्ति अपनी भ्रांतियों, गलतियों और त्रुटियों की तंग कोठरी में बंद होकर चारों ओर खिले हुए सुख और आनंद से वंचित रहे, तो इसमें परमात्मा का कोई दोष नहीं है। उसने तो सृष्टि में चारों ओर सुख, आनंद और प्रफुल्लता का प्रकाश बिखेर रखा है। अपनी भ्रांतियों और त्रुटियों की दीवारों में, समझ और दर्शन के दरवाजों, खिड़कियों को बन्द कर कृत्रिम रूप से अंधकार पैदा किया जा सकता है। प्राय- जो दुखी, संतप्त, व्यथित और वेदनाकुल दिखाई देते हैं, उनकी पीड़ा के लिए बाहरी कारण नहीं, अपनी संकीर्णता की दीवारें उत्तरदायी हैं। परिस्थितिवश कोई समस्या या कठिनाई उत्पन्न हो जाए, तो उसके लिए भी शोध करना आवश्यक नहीं है। परमात्मा ने अंधकार को दूर भगाने की तरह मनुष्य को उन समस्याओं और कठिनाइयों को सुलझाने की क्षमता दे रखी है। वह उस क्षमता का उपयोग कर अपने लिये सुख और आनंद का मार्ग खोज सकता है और दुख रूपी अंधकार को दूर हटा सकता है। बहुधा लोग दुख और सुख के संबंध में दृष्टिभ्रम के शिकार होते हैं। परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति यदि सुलझे और सुथरे दृष्टिकोण वाला हो, तो बुरे हालात में भी सुखी व आनंदित रह सकता है।

सू-दोकू नवताल -2160

	3						9	1
		6	4					7
	5	9		8	3	2	6	
				9	4	8		
4								6
		5	8	3				
	6	2	3	4		7	5	
1					5	6		
5	7						4	

सू-दोकू -2159 का हल

9	4	6	5	3	2	8	7	1
2	3	1	4	7	8	9	6	5
8	7	5	6	9	1	4	2	3
3	9	8	1	2	7	5	4	6
4	5	7	9	8	6	3	1	2
1	6	2	3	5	4	7	8	9
6	8	9	2	4	5	1	3	7
5	2	4	7	1	3	6	9	8
7	1	3	8	6	9	2	5	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2160

1		2		3	4			5	6
		7					8		
9				10		11		12	
		13					14		
15						16			
		17			18		19		20
21	22			23			24	25	
			26		27				
28		29					30		
		31				32			

बायें से दायें:-

1. 'जान की कसम सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पहली पहली बार बलिये' गीत वाली अक्षय कुमार, प्रीति की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तू मेरे पास भी है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, मनोज राजपाल, उर्मिला की फिल्म-2
9. फिल्म 'सत्यकाम' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी?-3
11. गोविंदा, उर्मिला मातोंडकर की 'ये लड़की जवान हो गई' गीत वाली फिल्म-3
13. राकेश रोशन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2,2
14. 'तेरे संग प्यार मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. फिल्म 'जय संतोषी मां' के गीत 'मैं तो आरती उतारूं रे' की गायिका-2
17. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन अभिनीत फिल्म-2
18. मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा, सरिता अभिनीत फिल्म-3
21. 'चंदा मामा दूर के' गीत वाली फिल्म-3
23. रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
24. सनी देओल, रवीना टंडन की 'सैंया मान दिल की बात' गीतवाली फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था?-4
30. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
31. फिल्म 'पाप की कमाई' में सनी देओल के साथ नायिका -3
32. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
2. 'आ लग जा गले' गीत वाली फिल्म-2,2
4. विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-2
6. राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-2
8. 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-3
10. अजय, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
12. अशोक पिच्चर्स द्वारा निर्मित अशोक कुमार, किशोर कुमार, पद्मिनी की 1958 की एक फिल्म-3
15. शशि कपूर, शेखर सुमन, रेखा, नीना गुप्ता की फिल्म-3
16. फिल्म 'लव लव लव' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-2
17. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
18. मिथुन, जैकी, जूही, दिव्या भारती की 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली फिल्म-4
19. 'छम से वो आ जाए' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
22. 'कल की हसीं मुलाकात के लिए' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. जैकी, अक्षय खन्ना, डिम्पल, मनीषा की 'आ कहीं दूर चले जाएं हम' गीत वाली फिल्म-4
26. साधना के डबल रोल वाली फिल्म 'मेरा साया' का नायक कौन था?-3
28. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, मनोज वाजपेई, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
29. 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी?-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2159

मि	ली		अ	स	ली	न	क	ली	
ला		अ	म	र		गी		ना	ना
प	ह	चा	न		अ	ना	ड़ी		ग
	म	न		क्रो	ध			ग	ज
फा		क	र्म		र्म		स	नी	
गु	प्त			दु		शा	न		डो
न		को	य	ला		का	म	चो	र
	आ	ह		री	ना			ट	
ग	जा	ग	नी		दा	ग			बा
	द		तू	फा	न		दि	ल्ल	गी

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आया है। एशिया और यूरोपीय बाजारों में बढ़त से घरेलू बाजार को भी बल मिला। आज सुबह से ही बाजार में उत्साह देखा गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.49 अंक करीब 0.80 फीसदी की बढ़त के साथ ही 54,178.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 503.80 अंक तक पहुंच गया था। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 143.10 अंक तकरीबन 0.89 फीसदी बढ़कर 16,132.90 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

दिग्गज कंपनियों में टाइटन, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में उछाल है जबकि डॉ. रेड्डीज लैब, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट है। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में तेजी आई है। दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार लाभ में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार कच्चे तेल और जिंसों के दाम में कमी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है इससे भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद से बाजार में तेजी आगे भी बनी रहने की उम्मीद है।

पहली छमाही में रिकॉर्ड 130 अरब डॉलर के सौदे हुए: रिपोर्ट

मुंबई । एचडीएफसी विलय और अडाणी-होल्सिम जैसे बड़े सौदों के साथ वर्ष 2022 की पहली छमाही में विलय-अधिग्रहण बाजार अब तक के रिकॉर्ड 130.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिफाइनिटिव ने आंकड़ों के आधार पर तैयार एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पहली छमाही में हुए 130.3 अरब डॉलर के सौदे एक साल पहले की समान अवधि में हुए सौदों से दोगुनी से भी अधिक हैं। इस तरह जनवरी-जून 2022 की छमाही 1980 से अब तक की सर्वाधिक सौदा राशि वाली छमाही बन गई है। इस तरह के आंकड़ों का संकलन 1980 से ही शुरू हुआ था। पहली छमाही के दौरान अप्रैल-जून अवधि में सर्वाधिक सौदे हुए। इनमें 60 अरब डॉलर मूल्य का एचडीएफसी बैंक एवं एचडीएफसी लिमिटेड विलय सौदा, 10.5 अरब डॉलर का अडाणी-होल्सिम सौदा और एलआईसी के 2.7 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री सौदा शामिल हैं। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में बीती छमाही में सौदों की संख्या 30.3 प्रतिशत बढ़ गई और यह अब तक की सबसे व्यस्त अवधि रही।रिपोर्ट के मुताबिक नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ क्षेत्रों में विलय एवं अधिग्रहण सौदे 11.5 अरब डॉलर के रहे जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 41.7 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे बड़ा 10.5 अरब डॉलर का सौदा अडाणी समूह और सीमेंट कंपनी होल्सिम का था। हालांकि भारत में होने वाले विदेशी कंपनियों के विलय एवं अधिग्रहण सौदे 14.6 प्रतिशत गिरकर 21.5 अरब डॉलर पर आ गए। वहीं विदेश में होने वाले विलय एवं अधिग्रहण सौदे छह अरब डॉलर के रहे।

अमेरिकी फैशन ब्रांड 'गेप' के आइटम मिलेंगे रिलायंस रिटेल से

नई दिल्ली । अमेरिकी फैशन ब्रांड गेप की अधिकारिक रिटेलर अब रिलायंस रिटेल बन गई है। रिलायंस रिटेल ने एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर, मल्टी ब्रांड स्टोर, डिजिटल कॉमर्स प्लेटफार्म से भारतीय उपभोक्ताओं को गैप के फैशन आइटम उपलब्ध कराए जाएंगे। अमेरिका की गेप, एक फैशन प्रधान कंपनी है। जो महिलाओं और बच्चों के लिए कपड़े ऐसेसरीज और पर्सनल उत्पाद तैयार करती है।इसे दुनिया भर में डेनिम आधारित फैशन के लिए भी जाना जाता है। रिलायंस रिटेल के द्वारा अब अमेरिका की इस कंपनी के बने उत्पाद भारत में ऑनलाइन उपलब्ध होंगे।

मार्च 2021 से नवंबर 2021 तक नीमच फैक्ट्री को 110 करोड़ का लाभ

इंदौर । दवा कंपनियों को अफीम सप्लाई करके नीमच अफीम फैक्ट्री और अल्कलॉइड वर्क्स ने इस साल ड्राई अफीम एवं अन्य उत्पादों के माध्यम से मार्च 2021 से नवंबर 2021 के बीच करोंडो रुपए का राजस्व कमाया। नीमच फैक्ट्री को 110 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है। पिछले साल 77.53 करोड़ अफीम की बिक्री से प्राप्त हुए थे।इस साल नीमच फैक्ट्री से 137 किलो ड्राई अफीम एवं अन्य उत्पाद अमेरिका और स्विजरलैंड को निर्यात किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग की रिपोर्ट से उक्त जानकारी प्राप्त हुई है। भारत में अफीम की बिक्री से सबसे ज्यादा राजस्व नीमच से प्राप्त होता है। 2021-22 के वित्तीय वर्ष में 183.79 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

कार्गो एयरलाइन प्रधान एयर एक्सप्रेस को मिली एनओसी

मुंबई। प्रधान एयर एक्सप्रेस को नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया है। इसके साथ ही इस कार्गो एयरलाइन के वाणिज्यिक परिचालन का रास्ता खुल गया है। प्रधान एयर एक्सप्रेस के इस साल वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने की उम्मीद है। जील ग्लोबल कॉरपोरेशन के संस्थापक निपुण आनंद द्वारा स्थापित मालवाहक विमानन सेवा कंपनी के कार्गो विमान में बदले गए ए320 के जरिये परिचालन शुरू करने की उम्मीद है। यह विमान इस महीने दिल्ली आने की संभावना है। कंपनी ने कहा कि देश की नई कार्गो एयरलाइन का परिचालन इस साल शुरू होगा। इसके लिए दुनिया के पहले मालवाहक विमान में बदले गए एक 320 विमान का इस्तेमाल होगा।

सोने में नरमी , चांदी में उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने की कीमतें घटी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 436 रुपये नीचे आकर 50,551 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,987 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत 233 रुपये बढ़कर 56,750 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 56,517 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना उछाल के साथ ही 1,743 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 19.36 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर बनी थी।''

ब्रेंट क्रूड दो महीने में पहली बार 100 डॉलर पर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट लगातार जारी है और ब्रेंट क्रूड दो महीने में पहली बार 100 डॉलर पर आया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। हालांकि, लगातार गिरावट से गुरुवार सुबह ब्रेंट क्रूड 100.3 डॉलर प्रति बैरल जबकि डब्ल्यूटीआई 98.23 डॉलर प्रति बैरल रहा। इन शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम - दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर. नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

मारुति सुजुकी ब्रेजा के बाद बाजार में लॉन्च करने जा रही मारुति विटारा, क्रेटा से होगा मुकाबला

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता इंडो-जैपनीज कंपनी ने हाल ही में अपनी बेहद मशहूर एसयूवी मारुति सुजुकी ब्रेजा को भारतीय बाजार में उतारा है। इस कार की शुरुआती कीमत 7.99 लाख रुपये है। वहीं इसका टॉप मॉडल खरीदने के लिए आपको 13.96 लाख रुपये खर्च करने होंगे। नया मॉडल कई नए फीचर्स के साथ आता है। इसके अलावा कार की डिजाइन में भी कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। अब कंपनी नई मारुति ब्रेजा 2022 के बाद टोयोटा के साथ मिलकर नई मिड साइज एसयूवी लाने की तैयारी कर रही है। टोयोटा ने हाल ही में टोयोटा अर्बन क्रूजर लॉन्च की है। अब टोयोटा के साथ अपनी पार्टनरशिप के तहत मारुति इस कार को अपनी ब्रैंडिंग के साथ भारतीय बाजार में लॉन्च करेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक मारुति इस मॉडल को मारुति विटारा नाम से बाजार में उतार सकती है। कंपनी जुलाई के तीसरे हफ्ते में इस कार से पर्दा उठा देगी। वहीं फेस्टिव सीजन के आस पास इस कार को इंडियन मार्केट में लॉन्च किया जा सकता है। अर्बन क्रूजर की तरह यह कार भी हाईब्रिड पावरट्रेन के साथ आ सकती है। मारुति विटारा की लंबाई 4.3 मीटर होगी और भारतीय बाजार में इस कार की सीधी टक्कर ह्यूंदै क्रेटा से होगी। इसके अलावा किआ सेल्टॉस और टोयोटा अर्बन क्रूजर हाईराइडर से भी यह कार टक्कर लेगी। इस नए मॉडल के लॉन्च के साथ मारुति सुजुकी भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के मिड साइज एसयूवी सेगमेंट के 50 फीसदी हिस्से पर कब्जा करना चाहती है। इस कार का मास प्रॉडक्शन अगस्त में शुरू किया जा सकता है।

खाने का तेल 10 रुपए तक और सस्ता होगा

- खाद्य सचिव ने बैठक में दिए निर्देश- देशभर में खाने के तेल की एक ही कीमत होनी चाहिए

नई दिल्ली ।

सरकार लगातार खाने के तेल की कीमतें घटाने का प्रयास कर रही है। पिछले महीने 10-15 रुपए प्रति लीटर कीमत कम होने के बाद अब फिर इसमें 10 रुप, की गिरावट आएगी। सरकार ने इस बाबत खाद्य तेल कंपनियों को निर्देश दिए हैं। पहले ग्लोबल मार्केट में दाम बढ़ने का दबाव था, जिससे पिछले कुछ महीने खाद्य तेलों के दाम आसमान पर थे। अब ग्लोबल मार्केट में पाम सहित अन्य खाद्य तेलों की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिसके बाद सरकार ने कंपनियों से खुदरा बाजार में भी कीमतें घटाने की बात कही है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक खाने का तेल 10 रुपए प्रति लीटर तक और सस्ता हो जाएगा। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने खाद्य तेल कंपनियों के साथ बैठक में कहा कि ग्लोबल मार्केट में अब पाम तेल सहित अन्य खाद्य तेलों की कीमतों में बड़ी गिरावट आ चुकी है। इसका लाभ उपभोक्ताओं को भी मिलना चाहिए। लिहाजा आप खाद्य तेल के खुदरा दाम में भी जल्द कटौती कीजिए।

पांडेय ने कंपनियों को यह भी निर्देश दिए कि खाद्य तेल की कीमत देशभर में एकसमान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब जीएसटी की दरें समान हैं, तो उत्पादों की एमआरपी भी एकसमान होनी चाहिए। भारत अपनी जरूरत का 60 फीसदी खाद्य तेल आयात करता है, इसीलिए ग्लोबल मार्केट में दाम बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार पर भी दबाव था। खाद्य सचिव ने बताया कि हमने कंपनियों से साफ कहा है कि महज एक सप्ताह के भीतर ही ग्लोबल मार्केट में तेल के दाम 10 फीसदी घट गए हैं। इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचना चाहिए। इसके बाद सभी बड़ी तेल कंपनियों ने अगले सप्ताह तक 10 रुपए तक दाम घटाने का आश्वासन दिया है। इसके बाद आयात होने वाले सभी खाद्य तेलों जैसे पाम तेल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल की कीमतों में गिरावट आएगी। सचिव ने कहा कि कुछ कंपनियां 15 डिग्री सेल्सियस पर पैकिंग करने का दावा करती हैं। इस तापमान पर तेल फैलता है और उसका वजन कम हो जाता है। यह घटा हुआ वजन कंपनियां अपनी पैकेट पर नहीं लिखती हैं। कंपनियों को 30 डिग्री सेल्सियस पर खाद्य तेलों की पैकिंग करनी चाहिए। कंपनियों की पैकेज पर 910 ग्राम का वजन लिखा होता है, जबकि 15 डिग्री पर पैक करने पर यह 900 ग्राम से भी कम हो जाएगा। उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, 6 जुलाई को देश में पाम रिफाइंड ऑयल की कीमत 144.16 रुपए लीटर थी, जबकि सूरजमुखी का तेल 185.77 रुपए लीटर, सोयाबीन का तेल 185.77 रुपए लीटर, सरसों तेल 177.37 रुपए लीटर और मूंगफली का तेल 187.93 रुपए लीटर था।

अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में तेजी

मुंबई ।

अमेरिकी शेयर बाजार ने पिछली गिरावट से उबरते हुए बढ़त बना ली है। अमेरिकी बाजार के निवेशक ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी और मंदी की आहट जैसी आशंकाओं से मुनाफावसूली कर रहे थे, लेकिन पिछले सत्र में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में तेजी दिखी। नेस्डेक ने पिछले कारोबारी सत्र में 0.35 फीसदी की बढ़त बनाई। इसी तर्ज पर यूरोपीय बाजारों में भी तेजी दिखी और सभी प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बढ़त पर बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज 1.56 फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ, जबकि फ्रांस के शेयर बाजार में 2.03 फीसदी की तेजी दिखी। इसके अलावा लंदन स्टॉक एक्सचेंज भी 1.17 फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ था।

अगले दिनों में अपने आधे कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी ओला, इलेक्ट्रिक सेगमेंट पर करेगी फोकस

नई दिल्ली ।

क्विक कॉमर्स बिजनेस ओला डैश और सेकेंड हैंड कारों के बिजनेस ओला कार्स को बंद करने के बाद ओला ने अब अपने कर्मचारियों की संख्या में भी कटौती करने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार ओला आने वाले दिनों में 400-500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है। ओला के कोर मोबिलिटी बिजनेस 1,000-1,100 कर्मचारी काम करते हैं। इलेक्ट्रिक सेग्मेंट पर फोकस करने के लिए ही ओला दूसरे खर्चीले बिजनेस बंद कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आईपीओ लाने की योजना में देरी और फंडिंग को लेकर चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच ओला अपनी लागत को घटाने की कोशिश कर रही है और इसके तहत वह कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। मामले से वाकिफ एक सूत्र ने बताया कि प्रमुख मैनेजरों से अपनी टीम के उन लोगों की लिस्ट बनाने के लिए कहा गया है, जिनकी छंटनी की जा सकती है। सूत्रों ने कहा कि ओला ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे विदेशी बाजारों में निवेश पर भी ब्रेक लगा दिया है, जहां वह पहले से मौजूद है। एक दूसरे सूत्र ने बताया कि कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खर्च करना बंद कर दिया है। यूके और न्यूजीलैंड जैसे देशों में उनका मार्केट शेयर अब एकल अंकों में आ गया है। सूत्रों का अनुमान है कि ओला के कोर मोबिलिटी बिजनेस में करीब 1,000-1,100 कर्मचारी काम करते हैं। एक सूत्र ने बताया वे हर महीने करीब 100-150 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज करते हैं, जिसमें से 40-50 करोड़ रुपये का ही प्रॉफिट रहा है। ओला डैश जैसा खर्चीला कारोबार बंद करने और कर्मचारियों की लागत में कटौती से कंपनी का ऑपरेशनल मार्जिन बढ़ जाएगा। और अगर कंपनी आईपीओ की दिशा में आगे बढ़ती है तो यह उन्हें मुनाफा कमाने वाले कारोबार के तौर पर भी दिखाएगा। ओला ने छंटनी की इस खबर या निकाले जाने वाले लोगों की संख्या के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। कंपनी का कहना है कि उसका मुख्य फोकस मोबिलिटी इंडस्ट्री पर बना रहेगा, फिर चाहे वो राइड-हेलिंग हो, ऑटो रिटेल, फाइनेंशियल सर्विसेज या इलेक्ट्रिक व्हीकल्स हों। कंपनी ने कहा, आज हमारा राइड हेलिंग बिजनेस हर महीने नया रिकॉर्ड ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) दर्ज कर रहा है। जैसे-जैसे हम बढ़ते रहेंगे, हम छोटी और कंसॉलिडेटेड टीम के साथ क्षमताओं और पैमाने को इस तरह से देखेंगे, जो हमारी मुनाफे की मजबूत स्थिति को बरकरार रखे।

आटे की बढ़ती कीमत पर रोक लगाने सरकार ने निर्यात पर बढ़ाई सख्ती

नई दिल्ली ।

देश में आटे की कीमत बढ़ती जा रही है, इसे लिए आटे की बढ़ती कीमत पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने आटा और इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी है। इससे पहले सरकार ने देश में अनाज की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए 13 मई को गेहूं निर्यात पर रोक लगा दी थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक आटे के निर्यात के लिए सभी निर्यातकों को इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी ऑन व्हीट एक्सपोर्ट से पूर्व अनुमति लेनी होगी।

डायरेक्ट्रोरेट जनरल आफ फारेन ट्रेड (डीजीएफटी) द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक नई व्यवस्था 12 जुलाई से लागू होगी। छह जुलाई से पहले लोड किए गए शिपमेंट या 12 जुलाई से पहले कस्टम के पास दाखिल कर दी खेप को निर्यात की अनुमति दी जाएगी। डीजीएफटी के नोटिफिकेशन के मुताबिक आटे के साथ-साथ मैदे और सूजी को भी इस लिस्ट में जारी किया गया है। यानी इनके निर्यात से पहले सरकार से अनुमति लेनी होगी। हालांकि गेहूं के निर्यात पर बैन के बाद देश में आटे की कीमतों में कुछ कमी आई है।

क्रूड पाम ऑयल की कीमतों में गिरावट से एफएमसीजी कंपनियों की हुई चांदी

हिंदुस्तान यूनिलीवर, ब्रिटानिया और गोदरेज के शेयरों में उछाल

मुंबई ।

ग्लोबल बाजार में क्रूड पाम ऑयल की कीमतों में आ रही गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं के साथ शेयर बाजार के निवेशक भी उठा रहे हैं। उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के स्टॉक्स में क्रूड सस्ता होने से बड़ा उछाल आया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), ब्रिटानिया और गोदरेज कंज्यूमर जैसी कंपनियों के शेयरों में तड़का उछाल दिखाई दिया। इन कंपनियों को सस्ते पॉम तेल का बड़ा लाभ हुआ है। गोदरेज के शेयरों में बुधवार की दोपहर 4.92 फीसदी का तगड़ा उछाल दिखा, जबकि ब्रिटानिया के शेयरों में 3.41 फीसदी की तेजी रही। इसी तरह, एचयूएल के शेयर 2.95 फीसदी की बढ़त के साथ 2,472.25 रुपये के भाव पर ट्रेडिंग करने लगे।

ग्लोबल मार्केट में क्रूड पाम तेल की वायदा कीमत में पिछले कुछ सप्ताह के दौरान 35 फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। यह गिरावट इंडोनेशिया से पाम तेल का निर्यात दोबारा शुरू होने और वैश्विक खपत में कमी आने की रिपोर्ट के कारण दिख रही है। मलेशिया के पाम तेल का वायदा भाव 8 फीसदी गिरकर एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। यहां इस साल पाम तेल की बंपर पैदावार होने का अनुमान है, जिससे कीमतों पर दबाव है।

घरेलू एफएमसीजी कंपनियों के लिए पाम तेल सबसे जरूरी उत्पाद माना जाता है। इसकी कीमतों में तेजी से गिरावट आने से इन कंपनियों की कमाई बढ़ने की पूरी उम्मीद है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पाम तेल की कीमतों में अचानक उछाल आने के बाद इन कंपनियों ने अपने उत्पादों की कीमतें भी बढ़ा दीं थी। अब पाम तेल सस्ता होने पर अनुमान है कि एफएमसीजी उत्पादों की महंगाई में भी नरमी आएगी. इंडोनेशिया ने अपना उत्पादन बढ़ाने के साथ पाम तेल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स को भी 575 डॉलर प्रति टन से घटाकर 488 डॉलर प्रति टन कर दिया है। इसका फायदा भारत जैसे बड़े आयात देशों को होगा। भारत अपनी कुल जरूरत का 60 फीसदी खाद्य तेल आयात करता है, जिसमें पाम की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है।

आनन्द महिन्द्रा का जवाब फिर सोशल मीडिया में चर्चा का विषय रहा

मुंबई । आनन्द महिंद्रा ऐसे कारोबारी हैं जो हमेशा सोशल मीडिया में चर्चा का विषय रहते हैं। कभी सोशल मीडिया में यूजर को दिया गया उनका जवाब ट्रेंड करता है तो कभी उनकी सोशल मीडिया पोस्ट खबरों में रहती है। एक बार फिर ट्विटर यूजर को दिया गया उनका जवाब सबका दिल जीत रहा है। कुछ पहले ही अपने क्वालिफिकेशन पर दी गई उनकी रिप्लाई चर्चा में थीमुंबई. इस बार आनन्द महिंद्रा की अमेरिका से जुड़ी एक पोस्ट पर आए सवाल-जवाब वायरल हैं। महिंद्रा ने ट्विटर पोस्ट में अमेरिका में 4 जुलाई के समारोह की फोटो और वीडियो पोस्ट की। उन्होंने मैनहट्टन की तस्वीरे डालते हुए लिखा मैनहट्टन 4 जुलाई स्काईलाइन, उन्होंने दूसरे ट्वीट में एक वीडियो भी पोस्ट की जिसमें मैनहट्टन में सेलेब्रेशन को दिखाई दे रहा है। पोस्ट से पता चला कि महिंद्रा 4 जुलाई को अमेरिका में थे, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। मैनहट्टन की तस्वीरों को देख कर एक ट्विटर यूजर ने उनसे पूछा कि क्या आप एनआरआई हैं? महिंद्रा का यूनिक रिप्लाई इंटरनेट की दुनिया में फिर वायरल हो गया. महिंद्रा ने जवाब में लिखा-न्यूयॉर्क में बस परिवार का टूर था। मैं एक एचआरआई हूं। भारत का निवासी, मतलब उन्होंने खुद को एनआरआई की बजाय उन्होंने एचआरआई बताया और उन्होंने एचआरआई की फुल फॉर्म भी समझाया कि दिल हमेशा भारत में रहता है। महिंद्रा का ये एचआरआई वाला रिप्लाई सोशल मीडिया में तुरन्त ही छा गया और यूजर तरह तरह से इस पर कमेंट करने लगे। एक यूजर ने लिखा कि अच्छा कहा सरज्आखिर घर हमेशा वहीं होता है जहां दिल होता है, दूसरे यूजर ने लिखा, यह अच्छा हैज्मैं एक एचआरआई हूं, मैं इस जवाब को बिना शर्म के चुराऊंगा. कुछ दिन पहले भी ट्विटर पर एक यूजर ने महिंद्रा से पूछा था कि आपकी क्वालिफिकेशन क्या है, तब उन्होंने जवाब दिया था कि इस उम्र में अनुभव ही योग्यता है।

भारत ने श्रीलंका को किया क्लीन स्वीप, हरमनप्रीत कौर बनीं प्लेयर ऑफ द सीरीज

पल्लेकेल (एजेंसी)।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (75) और पूजा वस्त्रकर (56) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से श्रीलंका को तीसरे एकदिवसीय मैच में 39 रन से हराकर श्रंखला 3-0 से अपने नाम की। भारत ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के सामने 50 ओवर में 256 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में श्रीलंका सिर्फ 216 रन पर ऑलआऊट हो गई। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 49 रन, यस्तिका भाटिया ने 30 रन और पूजा वस्त्रकर ने 56 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सर्वाधिक 75 रन की पारी खेली। 88 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और 2 छक्के लगाए।

श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापट्टू, रश्मि डि सिल्वा और इनोका राणावीरा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कविशा दिलहारी, ओशदी राणासिंहे और अमा कंचना को एक-एक विकेट हासिल हुआ। भारत के 255/9 का जवाब देने उतरी श्रीलंका की ओर से कप्तान अटापट्टू ने पारी की शुरुआत करते हुए 41 गेंदों पर 8 चौकों सहित 44 रन की पारी खेली। इसके अलावा हसिनि परेरा 39 रन और निलाक्षी डि सिल्वा ने 48 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सका और श्रीलंका 47.3 ओवर में 216 रन पर सिमट गई। कप्तान हरमनप्रीत को उनकी 75 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पूरी श्रंखला में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी उन्हें ही दिया गया। लगातार तीसरी जीत के साथ भारत ने आईसीसी महिला चैम्पियनशिप (2022-2025) चक्र में पहली सीरीज अपने नाम की। इस जीत के साथ भारत छह अंक लेकर आईसीसी महिला चैम्पियनशिप की अंक तालिका में पहले स्थान पर जा पहुंचा है। वहीं लगातार दूसरी सीरीज हारने के बाद श्रीलंका एक जीत के साथ चौथे स्थान पर है।

सानिया ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में हार के साथ विम्बलडन से विदा ली

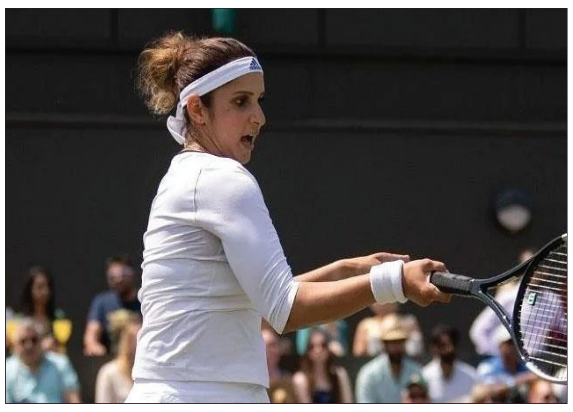

विबलडन (एजेंसी)।

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में गत चैम्पियन नील कुपस्की और डेसिरे क्रॉजिक से मिली हार के साथ विम्बलडन से विदा ली। सानिया और क्रोएशिया के मेट पाविच की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को ब्रिटेन के कुपस्की और अमेरिका की डेसिरे ने 4.6, 7.5, 6.4 से हराया। 35 वर्ष की सानिया छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुकी हैं जिनमें तीन मिश्रित युगल खिताब हैं हालांकि वह विम्बलडन मिश्रित युगल कभी नहीं जीत सकी।

उन्होंने 2009 ऑस्ट्रेलियाई ओपन और 2012 फ्रेंच ओपन महेश भूपति के साथ और 2014 अमरीकी ओपन ब्राजील के ब्रूनो सुआरेस के साथ जीता था। सानिया ने गुरूवार को ट्वीट किया, 'हमने जितनी चुनौती पेश की और संघर्ष किया, हमने जो भी काम किया है, वह अंत में महत्वपूर्ण था। पर इस बार विम्बलडन में ऐसा नहीं होना था, लेकिन पिछले 20 साल में यहां खेलना और जीतना सम्मान की बात है।' सानिया का यह टूर पर आखिरी साल है।

उन्होंने और पाविच ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 4.2 की बढ़त बना ली थी लेकिन अगले छह में से पांच गेम हार गए। निर्णायक सेट में सानिया और पाविच ने अपने विरोधी की सर्विस तोड़ी लेकिन ज्यादा देर दबाव बनाकर नहीं रख सके। पाविच ने 12वें गेम में दो बार डबल फॉल्ट किए।

विम्बलडन में मिश्रित युगल में यह सानिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह 2011, 2013 और 2015 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने विम्बलडन में 2015 में मार्तिना हिंगिस के साथ महिला युगल खिताब जीता था। छह बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सानिया ने इस साल के शुरू में घोषणा की थी कि वह 2022 सत्र के समापन के साथ संन्यास ले लेंगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने जा रही है आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम : मेग लानिंग

सिडनी। (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लानिंग का कहना है कि पांच बार की टी20 विश्व कप विजेता टीम बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार शामिल हुए महिला क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीतने के पक्के इरादे से जा रही है। राष्ट्रमंडल खेलों में 24 साल के अंतराल के बाद क्रिकेट की वापसी होगी। पहली बार महिला क्रिकेट इन खेलों का हिस्सा होगा। लानिंग ने एएपी से कहा ,'' हम वहां स्वर्ण जीतने जा रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है।'' आस्ट्रेलिया को पहले मैच में 29 जुलाई को भारत से खेलना है।

आस्ट्रेलिया ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान और बारबाडोस के साथ है। लानिंग ने कहा ,'' हमने एक टीम के रूप में इस पर बात की है कि हम बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं। हमें पहले से अच्छा खेलना होगा।''

क्रिकेट 1998 कुआलालम्पुर राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा था जिसमें शॉन पोलाक की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका टीम ने स्टीव वॉ की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को चार विकेट से हराया था। आस्ट्रेलिया को राष्ट्रमंडल खेलों से पहले पाकिस्तान और आयरलैंड से दो दो मैच खेलने हैं।

समय बतायेगा कि एजबस्टन टेस्ट में मिली हार का क्या असर होता है: रोहित शर्मा

साउथपटन। (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को कहा कि समय ही बतायेगा कि एजबस्टन टेस्ट में मिली हार का दीर्घकाल में क्या असर रहता है। भारत ने 2007 के बाद इंग्लैंड में पहली श्रृंखला जीतने का मौका गंवा दिया और मेजबान ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपने सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करके जीत दर्ज की। रोहित ने पहले टी20 से पूर्व कहा ,'' जीत नहीं मिलना निराशाजनक है। भारत को टेस्ट श्रृंखला जीतनी चाहिये थी। समय ही बतायेगा कि इसका टी20 या वनडे श्रृंखला पर कितना असर रहता है।'' उन्होंने कहा ,'' यह प्रारूप अलग है और वह अलग था।''

रोहित कोरोना संक्रमण के कारण एजबस्टन टेस्ट नहीं खेल सके थे। कप्तान ने यह भी कहा कि हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज उमरान मलिक भारतीय रणनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा ,'' उमरान हमारी रणनीति में शामिल है। हम फिलहाल उसे उसकी भूमिका समझा रहे हैं और यह भी कि टीम उससे क्या चाहती है।'' कोरोना से उबरने के बाद रोहित ने पहली बार अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि टी20 श्रृंखला से यह पता चल जायेगा कि टी20 विश्व कप से पहले टीम की क्या स्थिति है। उन्होंने कहा ,'' इस साल के आखिर में विश्व कप होना है लिहाजा यह श्रृंखला अहम है और हर मैच महत्वपूर्ण है।

टेस्ट में सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम हैं जो रूट: वसीम जाफर

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

इंग्लैंड ने घरेलू मैदान पर भारत को पांचवें टेस्ट में 7 विकेट से हराकर सीरीज में 2-2 से बराबरी की। इस दौरान जॉनी बेयरस्टो और जो रूट की शतकीय पारियों ने जहां फैंस का दिल जीता। वहीं भारत के इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के इंतजार को और लम्बा खींच दिया। रूट की शतकीय पारी के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि वह (रूट) टेस्ट में सचिन तेंदुलकर के रन टैली को पार कर सकते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान पांच मैचों की लंबी टेस्ट श्रृंखला में 737 रन के साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। पूर्व भारतीय ओपनर वसीम जाफर का मानना ??है कि यॉर्कशायरमैन सचिन के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। जाफर ने कहा कि हालांकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपना करियर जल्दी खत्म कर लेते हैं, लेकिन रूट अगले 5-6 साल तक मौजूदा स्तर पर खेलकर इस मुकाम तक पहुंच सकते हैं। जाफर ने कहा, वह ऐसा कर सकता है अगर वह लंबा खेलता है। वह केवल 31 वर्ष के हैं। हम सभी जानते हैं कि इंग्लिश और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का करियर लंबा नहीं होता है। लेकिन अगर वह 5-6 साल और खेलता है तो मुझे लगता है कि वह रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम है।

आईपीएल: अदालत ने इंडियन प्रीमियर लीग में नीलामी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की नीलामी को चुनौती देने वाली एक याचिका खारिज कर दी है। जनहित याचिका में दावा किया गया था कि खिलाड़ियों की नीलामी अमानवीय है और मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे की अगुवाई वाली खंडपीठ बुधवार को वेंकटेश शेट्टी और अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि आईपीएल का मौजूदा सत्र खत्म हो गया है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐसी ही एक याचिका खारिज की है तो यह जनहित याचिका सुनवाई के योग्य नहीं है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिग में विराट शीर्ष दस से बाहर हुए , ऋषभ ने लगायी लंबी छलांग

दुबई । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह नहीं मिली है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में कोहली चार पायदान फिसल कर 714 रेटिंग के साथ 13वें स्थान पर आ गए हैं। विराट इससे पहले 2,053 दिनों तक लगातार शीर्ष दस में बने रहे थे। विराट पिछले दो साल से खराब फार्म से परेशान हैं। इस दौरान वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट की दो पारियों में कुल मिलाकर केवल 31 रन ही बनाये थे।

वहीं एजबेस्टन टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी का लाभ भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मिला है। ऋषभ ने इस मैच में 146 और 57 रन बनाये थे। इससे उन्होंने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है और वह पांच पायदान ऊपर आकर 801 रेटिंग अंकों के साथ ही पांचवें स्थान पर आ गए हैं। दूसरी ओर कोरोना संक्रमण के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर रहे भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौंवे स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो को मैच की दोनो पारियों में शतक लगाने का लाभ हुआ है और वह 11 पायदान की छलांग लगाकर 10 वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि पूर्व कप्तान जो रुट 923 रैंकिंग के साथ शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। रुट ने एजबेस्टन टेस्ट में शतक लगाया था।

विराट कोहली की फॉर्म को वापस लाने का सुनील गावस्कर ने दिया मूल मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को लगता है कि विराट कोहली की स्विंग से निपटने के लिये गेंद को जल्दी खेलने की रणनीति उलटी पड़ गयी और इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनकी सलाह हमेशा यही रहेगी कि जितना हो सके, गेंद को उतना देर से खेलो। कोहली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शतक जड़े हुए ढाई साल से ज्यादाहो गये है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुए पांचवें टेस्ट में 11 और 20 रन बनाये जिसमें भारत को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

गावस्कर ने 'स्पोर्ट्स टुडे' पर कहा, ''इंग्लैंड में खेलने का तरीका है कि गेंद को जितना देर से हो, उतना देर से खेलो। इससे आप गेंद को अपना काम करने दोगे और फिर इसके बाद ही खेलोगे। मैंने 'हाईलाइट' में जो भी थोड़ा बहुत देखा है, उससे लग रहा था कि कोहली गेंद तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे और गेंद को जल्दी खेलने का प्रयास कर रहे थे।'' उन्होंने साथ ही कहा कि कोहली को 2018 में इंग्लैंड में सफलता मिली थी क्योंकि वह गेंद को काफी देर से खेल रहे थे। गावस्कर ने कहा, ''इसलिये वह 2018 की तरह खेलते नहीं दिख रहे जिसमें वह ऑफ स्टंप के पास काफी देर से खेलते हुए दिख रहे थे।'' उन्हें लगता है कि कोहली इस नयी रणनीति को शायद इसलिये आजमा रहे हैं क्योंकि हाल के वर्षों में उनकी फॉर्म में गिरावट आयी है और वह रन नहीं जुटा पा रहे। ऐसे समय में खिलाड़ी प्रत्येक गेंद को खेलने की कोशिश करता है और अकसर खतरे में पड़ जाता है।

उन्होंने कहा, ''यह उनका मुद्दा हो सकता है क्योंकि वह रन नहीं बना पा रहे हैं। जब आप फॉर्म में नहीं होते तो आप लगभग हर गेंद को खेलने की कोशिश करते हो और रन बनाने की कोशिश में हर गेंद को हिट करना चाहते हो। शायद वह इस चीज पर ध्यान दे सकते हैं।'' हालांकि गावस्कर को लगता है कि कोहली का भाग्य भी साथ नहीं दे रहा। उन्होंने कहा, ''लेकिन वह जो पहली गलती कर रहे हैं, वह उनकी अंतिम गलती साबित हो रही है। शायद इस समय भाग्य भी उनका साथ नहीं दे रहा।'' गावस्कर ने कहा, ''मुझे लगता कि निश्चित रूप से आप थोड़ी योजना बनाते हो, मन में थोड़ी कल्पना करते हो कि अगले दिन गेंदबाज क्या करेगा।

इसलिये आप क्रीज के बाहर रह सकते हो, लेकिन आप बल्लेबाजी में एक पूर्वनिर्धारित योजना के साथ जा रहे हो, जिसका मतलब है कि गेंदबाज को उसी लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी करनी होगी, जिसकी आप उम्मीद कर रहे हो।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर वह उस लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी नहीं करता तो आप मुश्किल में हो।'' गावस्कर ने कहा, ''क्रिकेट खेल हमेशा स्वाभाविक प्रतिक्रिया के बारे में है। आप गेंदबाज की ताकत को समझने के लिये अतिरिक्त तैयारी कर रहे हो लेकिन आखिर में यह स्वाभाविक प्रतिक्रिया से खेलने वाला खेल है।

विम्बलडन: फिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे नडाल, अब किर्गियोस से सामना

विम्बलडन। उनके पिता दर्शक दीर्घा से हाथ हिलाकर उन्हें कोर्ट छोड़ने के लिए कह रहे थे लेकिन 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन राफेल नडाल कहां हार मानने वालों में से हैं। पेट के दर्द से जूझते हुए उन्होंने 11वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्स को हराकर विम्बलडन सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दर्द की वजह से अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे नडाल ने 3.6, 7.5, 3.6, 7.5, 7.6 से जीत दर्ज की। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'एक क्षण के लिए मुझे लगा कि मैं मैच खत्म नहीं कर सकूंगा।' अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस से होगा जिन्होंने चिली के क्रिस्टियन गारिन को 6.4, 6.3, 7.6 से हराया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच की टक्कर कैम नॉरी से होगी। महिला सेमीफाइनल में 2019 की चैम्पियन सिमोना हालेप का सामना एलेन राइबाकिना से होगा जबकि ओंस जबाउर की टक्कर ततयाना मारिया से होगी। हालेप ने अमांडा एनिसिमोवा को 6.2, 6.4 से हराया जबकि राइबाकिना ने एला टोमजानोविच को 4.6, 6.2, 6.3 से शिकस्त दी। नडाल का इस जीत के साथ 2022 में अपराजेय अभियान 19.0 का हो गया। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और जून में फ्रेंच ओपन जीत चुके हैं। उन्होंने कभी सत्र के पहले तीन ग्रैंडस्लैम खिताब एक साथ नहीं जीते।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 के लिए भारतीय दल रवाना, 215 सदस्यीय दल में 107 महिला एथलीट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2022 के लिए भारतीय दल को रवाना किया। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एथलीट्स की रवानगी मौके कहा कि इस बार यह खेलें खास है क्योंकि इसमें कुल 215 सदस्यों में 108 पुरुष और 107 महिला एथलीट्स हैं। महिलाएं लगातार अच्छा कर रही हैं। मौके पर टोक्यो 2020 ओलिम्पिक पदक विजेता रवि दहिया, बजरंग पुनिया, पीआर श्रीजेश, हॉकी टीम कप्तान मनप्रीत सिंह और लवलीना बोरगोहेन भी मौजूद रहीं। समारोह में कामनवेल्थ सदस्यों के लिए आधिकारिक किट का अनावरण भी किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा- भारतीय खेल विश्व स्तर पर ऊंचाइयां छू रहा है। हमने ऐतिहासिक थॉमस कप भी जीता। और अब नजरें भारतीय राष्ट्रमंडल टीम पर हैं जोकि निश्चित रूप से हमारी अब तक की सबसे अच्छी और मजबूत टीम है। मुझे विश्वास है कि हमारे सभी एथलीट भारत के लिए पदक जीतेंगे। सभी को शुभकामनाएं। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा- हम टीम के मजबूत प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।

पदक जीतने पर मिलेगी नकद राशि

स्वर्ण विजेताओं को 20 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा जबकि रजत विजेताओं के लिए 10 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं। कांस्य पदक विजेताओं को साढ़े 7 लाख रुपए दिए जाएंगे।

ऐसा रहा पिछला रिकॉर्ड

4 साल पहले ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 26 स्वर्ण सहित 66 पदक जीते थे। भारत ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बाद तीसरे स्थान पर हा था। 26 में से 25 स्वर्ण बैडमिंटन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन और कुश्ती में मिले थे।

भारत की टीमें घटीं

बर्मिंघम में भारत बार सिर्फ 10 खेलों में ही प्रतिस्पर्धा करेगा।

गोल्ड कोस्ट में यह संख्या 15 थी। भारत को निशानेबाजी में सात स्वर्ण मिले थे लेकिन यह गेम 2022 कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। इसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी देखेगी। निशानेबाजी न होने के कारण बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हॉकी, भारोत्तोलन और कुश्ती पर नजरें रहेंगी।

जानती हूं उज्बेकिस्तान में सब अलग होगा: डांगमेई ग्रेस

नई दिल्ली। अपनी फुर्ती और 'ड्रिब्लिंग कौशल' के लिए मशहूर भारतीय स्ट्राइकर डांगमेई ग्रेस अच्छी तरह जानती हैं कि उज्बेकिस्तान के क्लब एफसी नसफ में खेलने के दौरान सब कुछ काफी मुश्किल होगा लेकिन वह इस चुनौती के लिए काफी उत्साहित हैं। हाल में उज्बेकिस्तान के क्लब से करार करके विदेश में खेलने का सपना साकार करने वाली महिला फुटबॉलर ग्रेस ने कहा कि मैं जानती हूं कि उज्बेकिस्तान में सबकुछ अलग होगा, उनके खेलने की शैली, उनकी संस्कृति। मुझे काफी तेजी से इसके हिसाब से ढलना होगा और नए मित्र बनाने होंगे। लेकिन मैं इस नयी चुनौती के लिए और अपने अनुभव साझा करने के लिए काफी उत्साहित हूं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की वेबसाइट पर ग्रेस ने कहा कि यह मेरे लिए सपने का साकार होना है। 26 साल की स्ट्राइकर ने कहा कि यह रातों रात का सपना नहीं है। मैं लंबे समय से विदेशों में खेलने का सपना देख रही थी। मैं इस दिन का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए अपना कौशल दिखाने और भारतीय महिला फुटबॉल का अच्छा दूत होने का मौका है।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं ब्लूबेरी के पत्ते

ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए कई तरह की दवाएं और इलाज हैं लेकिन आप इसे कुछ नैचुरल उपायों के जरिए भी कंट्रोल कर सकते हैं। ब्लूबेरी एक ऐसा पौधा है, जिसके पत्ते डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

डायबिटीज एक गंभीर और तेजी से बढ़ रही जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है। दुर्भाग्य यह है कि इसका कोई पक्का इलाज नहीं है। डायबिटीज को सिर्फ एक्टिव लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट के जरिए कंट्रोल रखा जा सकता है। इस रोग में मरीज का ब्लड शुगर बढ़ने लगता है और लंबे समय तक ऐसा होने से हृदय, रक्त वाहिकाओं, आंखों, गुर्दे और तंत्रिकाओं को गंभीर नुकसान हो सकता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 422 मिलियन लोगों को डायबिटीज है, जिनमें से अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। 1.5 मिलियन लोगों की मृत्यु सीधे तौर पर डायबिटीज के कारण होती है।

डायबिटीज कंट्रोल करने के उपाय?

वैसे तो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए कई तरह की दवाएं और इलाज हैं लेकिन आप इसे कुछ नैचुरल उपायों के जरिए भी कंट्रोल कर सकते हैं। ब्लूबेरी एक ऐसा पौधा है, जिसके पत्ते डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

ब्लूबेरी के पोषक तत्व

डायबिटीज.को.यूके के अनुसार, ब्लूबेरी जैसे फलों में नैचुरल शुगर होती है और यह विटामिन, फाइटोन्यूट्रिएंट्स और फाइबर का भी बेहतर स्रोत है। अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज के मरीजों को यह फल खाने, इसके पत्ते चबाने या पत्तों से बनी चाय को पीने से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। ब्लूबेरी पौधे की पत्तियां नैचुरल रूप से ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सकती हैं। इतना ही नहीं, इन हरी पत्तियों में डायबिटीज की वजह से पैदा होने वाले आंखों से संबंधित विकारों को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

डायबिटीज को कैसे कंट्रोल करते हैं ब्लूबेरी के पत्ते

मेंजीज इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं के अनुसार, ब्लूबेरी चाय में टाइप 2 डायबिटीज का इलाज करने की क्षमता हो सकती है। ब्लूबेरी के पत्तों की चाय पीने से डायबिटीज के उन मरीजों को सबसे ज्यादा फायदा मिल सकता है, जिन्हें इंसुलिन इंजेक्शन पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि यह चाय मांसपेशियों में ग्लूकोज के सेवन में सुधार करती है, जिससे ब्लड शुगर का लेवल कम होता है।

ब्लूबेरी के पत्तों में पाया जाता है पावरफुल रसायन

जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि ब्लूबेरी में एंथोसायनिन नामक एक रसायन पाया जाता है, जो गंदे यानी खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इतना ही नहीं यह रसायन इंसुलिन रेसिस्टेंट को कम करता है, और फास्ट प्लाज्मा ग्लूकोज लेवल को कम करता है।

ब्लूबेरी के पत्तों की चाय है फायदेमंद

आप ब्लूबेरी के पत्तों से बनी चाय का ज्यादा लाभ लेने के लिए इसमें पुदीना के पत्ते और दालचीनी मिक्स कर सकते हैं। इन दोनों चीजों में डायबिटीज को कंट्रोल करने वाले गुण पाए जाते हैं। खासकर इन्हें टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए लाभदायक माना गया है। दालचीनी में ब्लड शुगर लेवल को कम करने की क्षमता होती है।

इंसुलिन इंजेक्शन की नहीं पड़ेगी जरूरत

मेंजीज इंस्टीट्यूट के सीनियर रिसर्च फेलो मिशेल केस्के ने कहा है कि इस चाय में इंसुलिन हार्मोन को मैनेज करने की क्षमता होती है और यह मांसपेशियों में ग्लूकोज की मात्रा में सुधार करता है। ऐसा करके यह ब्लड शुगर लेवल को कम करता है और यह ब्लड फ्लो में भी सुधार करता है।

चिंता-तनाव, आत्मविश्वास की कमी बिगाड़ देती है मेंटल हेल्थ

तनाव, चिंता, कम आत्मसम्मान, रिलेशन अफेयर्स और खराब वर्क लाइफ बैलेंस किसी व्यक्ति को उस बिंदु तक प्रभावित करते हैं जहां वह अपना बेस्ट नहीं दे पाते हैं। इसलिए, किसी के भावनात्मक स्वास्थ्य का उतना ही ध्यान रखना महत्वपूर्ण हो जाता है, जितना हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं।

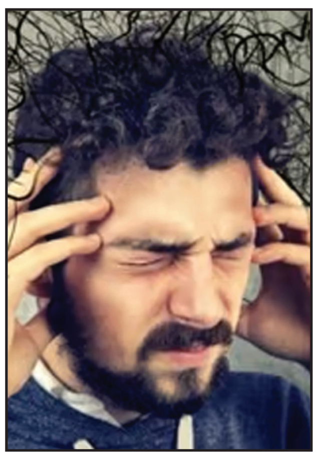

मानसिक रूप से मजबूत होने का मतलब यह नहीं है कि आप अंदर से कमजोर हो और खुले तौर मजबूत होने का दिखावा कर रहें हों। इसका मतलब यह भी नहीं है कि जब आपको मदद की सख्त जरूरत हो, तो तभी आप अकेले ही उस समस्या से जुझ रहे हो। वास्तव में, इमोशनल वेलनेस का मतलब है, हर चीज को अपनाने और उसका सामना करने के लिए तैयार रहना। हर दिन आप इतने मजबूत बने रहें ये जरूरी नहीं है। मानसिक रूप से मजबूत महिलाओं में जो लक्षण समान्य रूप से देखे जा सकते हैं, वह हैं अपनी ताकत और कमियों के बारे में जागरूक होना, यह स्वीकार करना कि विभिन्न भावनाएं उन्हें कैसे प्रभावित करती हैं। और वे इसे नियंत्रित करने के लिए क्या कर सकती हैं।

मेंटल हेल्थ को लेकर वरिष्ठ क्लीनिकल साइकाइट्रिस्ट ने अपने विचारों को हमारे साथ साझा किया है। और महिलाओं में मानसिक और भावनात्मक स्तर पर चल रहे लड़ाई को शांत करने के कारगर उपाय भी बताए हैं। वह कहती हैं कि दूसरों व अपने प्रति व्यक्ति की धारणा, उत्पादकता उनके रिश्ते और भावनात्मक भलाई से जुड़ी होती है। तनाव, चिंता, कम आत्मसम्मान, रिलेशन अफेयर्स और खराब वर्क लाइफ बैलेंस किसी व्यक्ति को उस बिंदु तक प्रभावित करते हैं जहां वह अपना बेस्ट नहीं दे पाते हैं। इसलिए, किसी के भावनात्मक स्वास्थ्य का उतना ही ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, जितना हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं। इसे करने के कुछ तरीकों में शामिल हैं।

माइंडफुलनेस का अभ्यास करें

अनुसंधान से पता चलता है कि भावनात्मक स्तर खुलने के लिए माइंडफुलनेस का अभ्यास जरूरी होता है। इसके तरीको के माध्यम से आप अपने मस्तिष्क के तार्किक और भावनात्मक केंद्रों को मजबूत कर सकते हैं। इसका अभ्यास करने से हम वर्तमान क्षण में अधिक जागरूक हो जाते हैं। साथ ही जल्दबाजी में इमोशनल होकर फैसले लेने कि अपनी आदत को भी नियंत्रित कर सकते हैं।

फैसलों पर डाउट न करें

एक्सपर्ट के अनुसार, महिलाएं हमेशा अपनी पसंद और फैसलों पर सवाल उठाती रहती है। यह न केवल हमारी फैसले लेने की समझ को प्रभावित करता है बल्कि निरंतर अपराध के बोध को भी जन्म देता है। अपने भीतर के संदेह को शांत करने और अपनी मन की आवाज पर विश्वास करने के लिए खुद को तैयार करें। इस प्रक्रिया को आप आंकलन करने के साथ शुरू कर सकते हैं। खुद से सवाल करें कि क्या आप निष्पक्ष हैं, क्या कोई विकल्प आपके मूल्यों के साथ संरेखित है? ध्यान रखिए, जो आपको सही लगता है, उसे बोलने के लिए माफी न मांगें।

दूसरों और अपने प्रति सराहना का भाव रखें

कृतज्ञता का अभ्यास करें। यह आपके भीतर सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा देता है। साथ ही आपके अंदर भावानात्मक स्तर में सुधार करता है। केवल दूसरो प्रति ही नहीं बल्कि स्वयं के प्रति भी सराहना का भाव रखें। जब भी आप कुछ अचीव करते हैं, या किसी की मदद करते हैं इसके लिए खुद को धन्यावाद दें।

मदद मांगने में संकोच न करें

एक्सपर्ट बातती हैं कि सहारा मांगना कमजोर होने की निशानी नहीं होती है। बल्कि ताकत की निशानी है। जब आप प्रोफेशनल मदद लेते हैं, तो आप वास्तव में यह आपको बेहतर इंसान बनाने के लिए होता है। इसक मतलब होता है कि आप एक बेहतर बनना चाहते हैं और आप उस दिशा में कदम उठा रहे हैं। अपनी वास्तविक क्षमता को उजागर करने के लिए वह कदम उठाने से न हिचकिचाएं!

लिवर, किडनी, हार्ट और लंग्स सबके लिए अमृत है मोरिंगा पाउडर

सहजन को सुपरप्लांट कहा जाता है। इसमें ढेर सारे औषधीय गुण होते हैं। जानकारी बढ़ने के साथ लोग इसे अब अपनी डेली डायट में शामिल कर रहे हैं। जबकि यह सदियों साल पुराना पेड़ है।

हमारे दादी-नानी जो चीजें खाती हैं नई जनरेशन उन्हें देखकर नाक-भौं सिकोड़ती है। अगर नई पीढ़ी के लोग ये चीजें खाते भी हैं तो स्वाद देखकर। अक्सर उन्हें इन चीजों के फायदे पता नहीं होते। ऐसा ही एक पेड़ है सहजन जिसकी पत्ती से लेकर फली तक सबकुछ फायदा करता है। यह पेड़ पूरी दुनिया में उगता है। इसे नॉर्थ इंडिया के हिमालय वाले रीजन की ओरिजिन माना जाता है। इसका उपयोग खाने और औषधि के रूप में होता है। मोरिंगा या सहजन की फली का अचार और सब्जी बनती है। ड्रमस्टिक के रूप में इसे सांभर में डाला जाता है। इसकी पत्तियों को पाउडर के रूप में लोग औषधि के रूप में लेते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोरिंगा का पराठा खाते हैं। यहां जानते हैं इसके फायदे...

गैस्ट्रिक अल्सर में फायदेमंद

मोरिंगा की पत्तियों को सुखाकर लंबे वक्त तक स्टोर किया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन के अलावा कई तरह के विटामिन्स और ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मोरिंगा पाउडर को संक्रमित जगह को स्टर्लाइज करे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह ऐसे बैक्टीरिया और फंगस मारने में भी सक्षम होता है जो गैस्ट्रिक अल्सर और गैस्ट्रिक कैंसर की वजह होते हैं।

पाए जाते हैं पावरफुल ऐंटीऑक्सीडेंट्स ऐंटीऑक्सीडेंट्स ऐसे कंपाउंड्स होते हैं जो फ्री रेडिकल्स खत्म करते हैं। ये फ्री रेडिकल्स कई तरह की बड़ी बीमारियों की वजह होते हैं। ये ऐंटीऑक्सीडेंट्स रेडिएशन और स्मोकिंग से हुए डैमेज से भी प्रोटेक्ट करते हैं। मोरिंगा में विटामिन सी, बीटा कैरोटीन के अलावा क्वरसेटिन पाया जाता है। यह ब्लड प्रेशर लो करने में मदद करता है। महिलाओं पर हुई एक स्टडी में उन्हें 7 ग्राम मोरिंगा की पत्ती का पाउडर रोजाना दिया गया। तीन महीने में उनके ब्लड में ऐंटीऑक्सीडेंट्स बढ़े पाए गए। यह ब्लड शुगर लेवल भी कम करता है।

मोरिंगा कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है

बैड कोलेस्ट्रॉल आपमें दिल की बीमारी का खतरा बढ़ाता है। कई ऐसी नैचुरल चीजे हैं जो आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल घटा सकती हैं। इनमें सहजन भी एक है। जानवरों और इंसानों पर हुई स्टडी में यह बात सामने आ चुकी है।

ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी करता है कम सहजन में प्रोटीन, मिनरल्स, अमीनो एसिड्स, फ्लैवोनॉइड्स और ऐंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह लंग्स, हार्ट, लिवर और किडनी के टिश्यूज की रक्षा करता है। यह शरीर का इनफ्लेमेशन कम करता है। रिसर्च में सामने आ चुका है कि जो महिलाएं रोजाना मोरिंगा पाउडर लेती हैं उनमें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा कम हो जाता है।

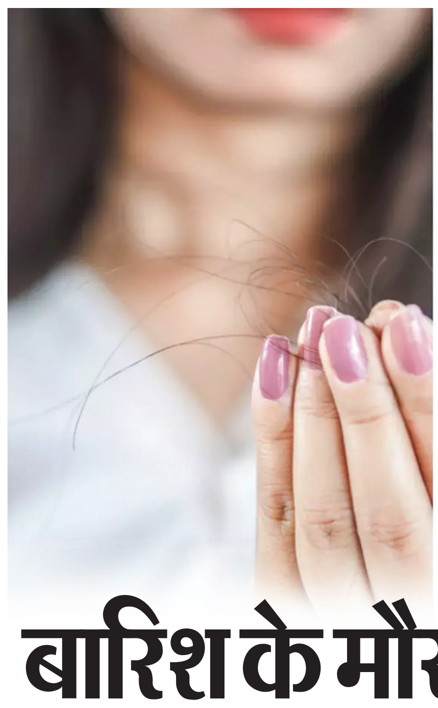

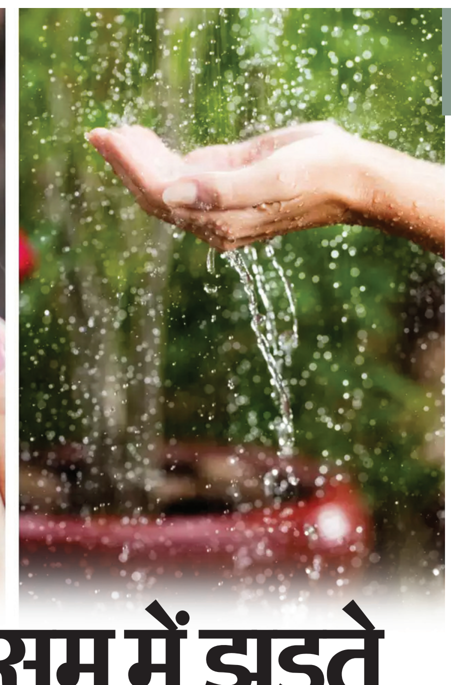

बारिश के मौसम में झड़ते बालों को न करें नजरअंदाज

जिस तरह मानसून में बारिश का होना तय है, उसी तरह इस मौसम में बालों का झड़ना भी निश्चित है। यदि इस मौसम में आपके बाल भी सामान्य से थोड़े ज्यादा झड़ रहे हैं तो यह बिल्कुल सामान्य बात है। जी हां, इस बात से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। वर्ल्ड ट्राइकोलॉजी सोसाइटी के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि नमी वाले मौसम में बालों का झड़ना लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं।

बारिश के मौसम में क्यों झड़ते हैं बाल

मानसून में पर्यावरण में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से बाल झड़ते हैं। बाल इस नमी को सोख लेते हैं और रूखे, उलझे और बेजान नजर आते हैं। इसकी स्वाभाविक नमी कम होती है, जिसकी वजह से सिर की त्वचा भी रूखी नजर आती है। ये बालों के फॉलिकल्स को कमजोर बनाते हैं और बाल झड़ने लगते हैं। नमी के बढ़ने से बालों के फॉलिकल्स बंद हो जाते हैं और जिससे बाल चिपचिपे हो जाते हैं।

एक दिन में कितने बाल झड़ना सामान्य बात

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, सामान्य मौसम में एक दिन में व्यक्ति के 80-100 बाल झड़ते हैं। जबकि मॉनसून के दौरान, एक व्यक्ति के प्रतिदिन 250 बाल झड़ते हैं।

बाल झड़ने का कारण

बालों का झड़ना अनियंत्रित थायरॉइड के स्तर, एनीमिया (हीमोग्लोबिन का निम्न स्तर), हॉर्मोन्स का सही रूप में काम ना करना, पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) और हाई ब्लड प्रेशर के भी संकेत हो सकते हैं। यही वजह है कि बालों के आसामन्य तरीके से झड़ने पर जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

बालों के झड़ने की समस्या को नजरअंदाज करने से यह कई लोगों में पूरी तरह से गंजेपन का कारण बन सकती है, खासकर उन लोगों में जिन्हें आनुवंशिक रूप से बालों के झड़ने की समस्या का जोखिम है।

द ट्राइकोलॉजिकल सोसाइटी, लंदन के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. अक्षय बत्रा के अनुसार बालों के झड़ने को होम्योपैथी दवाओं और उपचार की मदद से आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। ये दवाएं बिना किसी साइड इफेक्ट के बालों के झड़ने के मूल कारण का उपचार कर बालों की स्थिति को बेहतर बनाती है। ये बालों को जड़ों से पोषण देने और बालों के फिर से निकलने में मदद करती हैं। होम्योपैथी दवाएं पूरी जांच और केस का मूल्यांकन करने के बाद दी जाती हैं, जिसमें रोगी की मेडिकल हिस्ट्री और उनकी मानसिक और शारीरिक बनावट भी शामिल है।

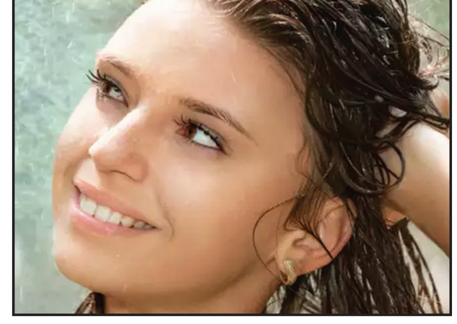

बालों के झड़ने की समस्या को कैसे दूर करें

शैम्पू

भले ही बारिश में भीगने का आनंद लें लेकिन उसके बाद बालों को जरूर धोएं। बारिश के पानी को हटाने के लिये शैम्पू से अपने बालों को धोएं, क्योंकि बारिश का पानी गंदगी से भरा होता है। नमी वाले इस मौसम में चिपचिपेपन और पसीने को दूर रखने के लिए हफ्ते में 2-3 बार शैम्पू करें।

अपने बालों को सही तरीके से सुखाएं

अपने बालों को सुखाने के लिये माइक्रोफाइबर तौलिए का इस्तेमाल करें, यह तुरंत ही पानी को सोख लेता है और आपके बालों तथा तौलिए के बीच कम से कम घर्षण होता है।

कंडीशनर लगाएं

बारिश के पानी के साथ बालों में आने वाली उलझन को सुलझाने के लिये एक अच्छा कंडीशनर जरूरी है। बालों को झड़ने से रोकने वाले कंडीशनर का इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों में नमी लॉक हो जाए और उसे मजबूती और सुरक्षा मिले।

बालों में तेल लगाना बेहद जरूरी है

अपने बालों में तेल जरूर लगाएं, लेकिन बालों को टूटने से बचाने के लिये हल्के हाथों से मसाज करें। हफ्ते मे एक या दो बार सही पोषण के लिये अच्छा है, हालांकि बार-बार तेल लगाने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हवा में मौजूद अत्यधिक नमी की वजह से सिर पर पहले से ही ऑयल होता है।

सही कंघी का चुनाव करें

गीले बालों में कंघी ना करें, क्योंकि इससे वे कमजोर हो जाते हैं। अपने बालों को आसानी से सुलझाने के लिये चौड़े दांतों वाले कंघे का इस्तेमाल करें। यदि घरेलू उपचारों से बालों के झड़ने में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा तो फिर इंतजार ना करें।

होम्योपैथिक उपचार

- विस्बाडेन 30सी, कुछ महीनों के लिये दिन में दो बार - बालों के प्राकृतिक विकास को बढ़ावा देता है।
- फ्लोरिक एसिड 6सी, 5 गोलियां दिन में दो बार - पैची बालों के झड़ने का इलाज करने में मदद करता है और स्वस्थ प्राकृतिक बालों के विकास को बढ़ावा देता है।
- सीपिया, सल्फर, फॉस्फोरिक एसिड, लैकेसिस और ग्रेफाइट्स - बालों के झड़ने के इलाज में मदद करते हैं।
- थूजा ऑक्सिडेंटैलिस 30सी, 5 गोलियां महीने में केवल एक बार दिन में दो बार- बालों के झड़ने के आनुवंशिक कारण के लिये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला विधायक की शर्मनाक हरकत, बिकिनी में अश्लील हरकतें करती नजर आई तो लोगों ने जमकर लगाई क्लास

आइलैंड । सोशल मीडिया पर एक महिला विधायक की शर्मनाक हरकत लोगों को रास नहीं आ रही जिस वजह से वह अब ट्रोल हो रही है। दरअसल, एक महिला विधायक ने अपने क्षेत्र के लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचने के लिए एक वीडियो बनाया जिसमें

वह बिकिनी में अश्लील हरकतें करती नजर आती हैं। लेकिन लोगों का ध्यान अपनी ओर अकर्षित करना तो दूर वह लोगों के गुस्से का शिकार हो गई। दरअसल, महिला विधायक टियारा मैक, अमेरिका के रोड आइलैंड के डिस्ट्रिक्ट 6 का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने हाल ही में टिकटॉक पर अपना एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह बिकिनी में नजर आती हैं और सिर के बल खड़े होकर डांस करती दिखती हैं। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- ब्लॉक आइलैंड पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करती एक होनहार सेनेटर।

वहीं वीडियो वायरल होते ही आइलैंड स्टेट सेनेटर टियारा मैक की खूब आलोचना हो रही है। अलोचनाओं की शिकार हुई महिला विधायक के इस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा कि इस पोस्ट के बाद मैं आपकी यह शिकायत बिल्कुल भी सुनना नहीं चाहता हूं कि 'इस देश में महिलाओं की इज्जत नहीं की जाती है'। ब्रिटिश PM बोरिस जॉनसन कजवाब में महिला विधायक ने कहा- हनी बेबी. ऐसा नहीं है. क्योंकि मेरे पास I14 लीग की डिग्री है और मैं स्टेट सिनेटर के पद पर बैठी हूं. मेरे पहनावे से इसका कोई लेना देना नहीं है। बता दें कि रोड आइलैंड सीनेट के लिए टियारा मैक को 60 फीसदी वोट मिले थे और उन्होंने 5 जनवरी 2021 को यह पदभार संभाला था।

चीन को कड़ा संदेश देने की तैयारी में भारत, लद्दाख में हो सकती है जी-20 की बैठक

बीजिंग। चीन के ऐतराज को दरकिनार करते हुए भारत अगले साल न सिर्फ जम्मू-कश्मीर बल्कि लद्दाख में भी जी-20 की बैठकें कर सकता है। इसे भारत की तरफ से चीन को सख्त और दो टूक संदेश के तौर पर देखा जा सकता है। भारत इस साल 1 दिसम्बर को जी-20 की अध्यक्षता संभालेगा। उसने 2023 में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए जम्मू-कश्मीर के नाम का प्रस्ताव दिया है। शिखर सम्मेलन से पहले भी जी-20 की कई बैठकें होंगी। भारत ने वेन्यू के तौर पर लद्दाख के नाम का भी प्रस्ताव दिया है। लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भारत और चीन की

सेनाओं के बीच पिछले करीब दो सालों से तनाव का माहौल है। कुछ जगहों पर दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटी हैं, लेकिन गतिरोध अभी बरकरार है। रिपोर्ट के मुताबिक, लद्दाख प्रशासन ने जी-20 मीटिंग को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। एल.जी.आर.के. मतुआ ने बैठक को लेकर एक सीनियर आई.ए.एस. अफसर और एक आई.पी.एस. अफसर को विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय के लिए नोडल-ऑफिसर नियुक्त किया है।

अमेरिका के डेट्रॉयट में गोलीबारी, एक पुलिसकर्मी और एक संदिग्ध की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के डेट्रॉयट में एक पुलिस अधिकारी और एक बंदूकधारी व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई। डेट्रॉयट के पुलिस प्रमुख जेम्स वाइट ने यह जानकारी दी। वाइट ने कहा कि पुलिस अधिकारी और उनके सहकर्मी को बुधवार शाम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति गोली चला रहा है। इसके बाद वे मौके पर पहुंचे जहां संदिग्ध एक आधुनिक हथियार से उनकी दिशा में गोलीबारी कर रहा था। वाइट ने कहा कि एक अधिकारी को गोली लगी और उनके सहकर्मी ने संदिग्ध पर गोली चलाई जिससे उसकी मौत हो गई। घायल अधिकारी की अस्पताल में मौत हो गई। मृत अधिकारी की तत्काल पहचान नहीं हो पाई है लेकिन वाइट ने कहा कि वह पांच साल से विभाग में काम कर रहा था। मामले की जांच जारी है।

ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन इस्तीफा देंगे:50 मंत्रियों-सांसदों के इस्तीफे के बाद लिया फैसला, पद छोड़ने से पहले देश को संबोधित करेंगे

बीजिंगः ब्रिटेन में मचे सियासी उठापटक के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन इस्तीफा देंगे। पिछले 48 घंटे में उनके 50 से ज्यादा मंत्री और सांसद इस्तीफा दे चुके हैं। सरकार के खिलाफ अविश्वास इस कदर बढ़ता जा रहा है कि 36 घंटे पहले ही मंत्री बनाए गए मिशेल डोनेलन ने भी इस्तीफा दे दिया।

बुधवार शाम तक कैबिनेट के 17 मंत्रियों, 12 संसदीय सचिवों और विदेशों में नियुक्त सरकार के 4 प्रतिनिधियों ने रिजाइन कर दिया था। जॉनसन के मंत्री और सांसद लगातार उनके काम करने के तरीकों पर सवाल उठा रहे थे।

यौन शोषण के आरोपी की नियुक्ति से विवाद बढ़ा

लॉकडाउन के दौरान जॉनसन की शराब पार्टी और यौन शोषण के आरोपी सांसद क्रिस पिंचर को डिप्टी चीफ व्हिप नियुक्त करने को लेकर भी काफी विवाद हुआ था। इस वजह से उनके खिलाफ और ज्यादा असंतोष बढ़ गया था।

हालांकि विवाद बढ़ता देख जॉनसन ने मंगलवार को माना कि

पिंचर को सरकार में शामिल करने का उनका फैसला गलत था। इसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी। पीएम के माफी मांगने के कुछ मिनट के बाद ही दोनों मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया।

पीएम पद के दावेदार ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता भी हुई एक्टिव- नए पीएम की रेस में पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और फॉरेन कॉमन वेल्थ एंड डेवलपमेंट अफेयर्स सेक्रेटरी लिज ट्रस आगे हैं। कोरोना राहत पैकेज के कारण सुनक खासे लोकप्रिय हैं। पीएम पद की दावेदारी में आगे चल रहे ऋषि सुनाक के घर पर खासी गहमा गहमी रही। ऋषि की पत्नी अक्षता मूर्ति भी एक्टिव हो गई हैं। अक्षता इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति की बेटी हैं।

अक्षता का यूं खुद पत्रकारों के लिए ट्रे में चाय लेकर आना ब्रिटिश प्रेस में चर्चाओं का कारण बन रहा है। पीएम पद के दावेदारों में वर्तमान वित्त मंत्री नदीम जहावी और पूर्व विदेश मंत्री जेरेमी हंट भी दौड़ में हैं। माना जा रहा है कि पूर्व रक्षा मंत्री पैनी मॉरडॉट भी अपनी दावेदारी जता सकती हैं। बोरिस जॉनसन के खिलाफ पिछले काफी समय से पैनी मुखर रही हैं।

बाली में मिले भारत-चीन के विदेश मंत्री, लद्दाख गतिरोध और विद्यार्थियों की वापसी पर हुई बात

बाली। भारत और चीन के बीच कई मसलों पर जारी गतिरोध के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने इंडोनेशिया के बाली में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने उनके साथ बातचीत में सीमा के हालात, चीन में भारतीय विद्यार्थियों और उड़ानों पर पाबंदियों को लेकर बातचीत की। जयशंकर व यी की यह मुलाकात जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बाली में आयोजित बैठक के मौके पर हुई। जयशंकर ने ट्वीट कर बताया, 'बाली में आज मैंने दिन की शुरुआत चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलकात के साथ की। करीब एक घंटे चर्चा चली। इसमें सीमा के हालात समेत सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा हुई। मैंने अन्य मसलों के अलावा विद्यार्थियों और उड़ानों के मसले को भी उठाया। अंतरराष्ट्रीय हालात और जी-20 बैठक पर उसके प्रभाव की भी चर्चा की।'

इस साल मई में भारत और चीन ने सीमा पर तनाव को लेकर बातचीत की थी। उन्होंने जल्द से जल्द वरिष्ठ कमांडरों की बैठक के अगले दौर को आयोजित करने

का फैसला किया।

सैन्य कमांडरों की अगली बैठक जल्द

इधर, दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि जयशंकर ने चीन विदेश मंत्री यी से चर्चा में कहा कि भारत और चीन के संबंध आपसी सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और एक दूसरे के हितों को ध्यान में रखने पर बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। जयशंकर और वांग ने जल्द ही वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की अगली बैठक होने की उम्मीद जताई।

सैन्य व राजनयिक संपर्क सतत बनाए रखने पर सहमति

जयशंकर और वांग यी ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सैन्य तथा राजनयिक अधिकारियों के बीच नियमित रूप से बातचीत जारी रहनी चाहिए। जयशंकर ने पिछली वार्ता में हुए द्विपक्षीय समझौतों और उस दौरान बनी सहमति पर आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया।

विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख के क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी की रफ्तार बनाए रखने पर एक बार फिर जोर दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) से जुड़े सभी अहम मुद्दों के जल्द समाधान का आह्वान किया। अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गतिरोध शुरू होने के बाद जयशंकर और वांग के बीच यह चौथी बैठक है। विदेश मंत्री जयशंकर जी-20 विदेश मंत्रियों की बाली में आयोजित बैठक में भाग लेने इंडोनेशिया में हैं।

अफगानिस्तान पर सख्त हुए बाइडन, छीना गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा

वाशिंगटन। अफगानिस्तान से सैन्य वापसी और वहां तालिबान शासन के बाद अमेरिका ने पूरी तरह से इस देश से पीछा छुटाने का निर्णय लिया है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान के एक 'प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी' का दर्जा रद्द करने की घोषणा की।

राष्ट्रपति बाइडन ने पत्र में कहा, '1961 के विदेशी सहायता अधिनियम की धारा 517 के अनुसार, संशोधित (22 यूएससी 2321ज्ञ) के अनुसार, मैं एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में अफगानिस्तान के पदनाम को रद्द करने की घोषणा करता हूं। दरअसल, जुलाई 2012 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने अफगानिस्तान को एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में नामित किया था। दरअसल, अमेरिका ने पिछले साल अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाने की घोषणा कर दी थी। इसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर हमले शुरू कर दिए। 15 अगस्त, 2021 को तालिबान लड़ाके अफगानिस्तान में घुस गए और सितंबर में तालिबान ने अफगानिस्तान में पूर्ण जीत की घोषणा कर दी। इसके बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया। हालांकि, अभी तक किसी भी देश द्वारा आधिकारिक रूप से इस सरकार को मान्यता नहीं मिली है। तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होते ही घोषणा की थी कि यह नया तालिबान है। हालांकि, अंतरिम सरकार के गठन के बाद तालिबान फिर से उसी पुराने अंदाज में आ गया और इस्लाम का हवाला देकर महिलाओं पर सख्त नियम लागू कर दिए। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, तालिबान ने सभी महिलाओं को सिविल सेवा में नेतृत्व के पदों से बर्खास्त कर दिया और अधिकांश प्रांतों में लड़कियों को माध्यमिक विद्यालय में जाने से रोक दिया। तालिबान का फरमान महिलाओं को तब तक यात्रा करने से रोकता है जब तक कि एक पुरुष रिश्तेदार के साथ न हो। इसके अलावा महिलाओं के चेहरों को सार्वजनिक रूप से ढकने का आदेश भी पारित कर दिया।

ओमिक्रॉन के नए स्वरूप बीए.2.75 पर डब्ल्यूएचओ ने किया सतर्क, दो हफ्ते में 30 फीसदी केस बढ़े

संयुक्त राष्ट्र। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत व कुछ अन्य देशों में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के नए उप स्वरूप बीए.2.75 मिलने की पुष्टि करने के साथ ही सतर्क किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेसियस ने कहा कि भारत और संगठन के अन्य सदस्य देशों में कोरोना वायरस के इस नए रूप का पता चला है।

घेब्रेसियस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पिछले दो सप्ताह में दुनियाभर में कोरोना के नए मामलों में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। डब्ल्यूएचओ के छह उप-क्षेत्रों में से चार में पिछले सप्ताह वृद्धि देखी गई। यूरोप और अमेरिका में ओमिक्रॉन के BA.4 और BA.5 के कारण कोरोना लहर चल रही है। इसी बीच, भारत जैसे देशों में BA.2.75 नामक एक नए सब स्ट्रैन का का पता चला है। इस पर नजर रखी जा रही है।

10 देशों में मिला नया स्वरूप : सौम्या स्वामीनाथन

BA.2.75 का पता चलने पर

डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि एक नया उप स्वरूप मिला है। इसे BA.2.75 कहा जा रहा है। यह सबसे पहले भारत से रिपोर्ट किया गया था और फिर 10 अन्य देशों से। इस उपस्वरूप के विश्लेषण के लिए अभी कुछ ही अनुक्रमण मिले हैं, लेकिन इसके स्पाइक प्रोटीन में कुछेक बदलाव नजर आए हैं। इसलिए इसके बारे में अभी कुछ ज्यादा कहना जल्दबाजी होगी।

चिंताजनक स्वरूप घोषित करने पर अभी फैसला नहीं

स्वामीनाथन ने कहा कि यह प्रतिरक्षा तंत्र को भेद सकता है या इलाज की दृष्टि से बहुत जटिल, यह भी कहना अभी मुश्किल है। इसलिए हमें इंतजार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन और सार्स कोव-2 वायरस के लिए गठित उसका तकनीकी सलाहकार समूह

> *घेब्रेसियस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पिछले दो सप्ताह में दुनियाभर में कोरोना के नए मामलों में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई है।*

इस पर लगातार नजर रखे हुए है। वह दुनियाभर के आंकड़ों को देख रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी वक्त यदि कोई ऐसा वायरस सामने आता है, जो पिछले स्वरूप से अलग दिखता है और ऐसे सबूत मिलते हैं कि इसे चिंताजनक स्वरूप कहा जा सकता है, तो यह किया जाएगा।

बिलावल ने ब्लिंकन से पाक-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती को लेकर की बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार कर द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने की परस्पर इच्छा दोहरायी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि बिलावल ने अपने अमेरिकी समकक्ष का फोन आने पर उनसे कहा कि वह 'बार बार उच्च स्तरीय यात्राओं के प्रति आशान्वित हैं। उन्होंने ब्लिंकन से पाकिस्तानी

नागरिकों को वीजा जारी करने को आसान बनाने का अनुरोध किया। बयान के अनुसार दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान के ' मानवीय संकट से निपटने के लिए अंतरिम अफगान सरकार के साथ निरंतर संवाद/सहयोग की जरूरत भी चर्चा की। बिलावल ने ब्लिंकन के साथ अपनी बातचीत के बारे में ट्वीट किया।

ईरान ने जासूसी के आरोप में ब्रिटिश उपराजदूत किया गिरफ्तार

तेहरानः ईरान में ब्रिटिश मिशन के उपप्रमुख जाइल्स व्हिटेकर और कई अन्य लोगों जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने मिसाइल अभ्यास के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में जासूसी करने और मिट्टी के नमूने लेने के दावे पर इन राजनयिकों को हिरासत में लिया है। ढ्ढक्रत्नष्ट ने वीडियो फुटेज जारी करते हुए दावा किया कि व्हिटेकर को उस जगह के पास देखा गया है, जहां ईरानी सेना मिसाइल अभ्यास कर रही थी।

द यरूसलम पोस्ट के अनुसार उपराजदूत ने माफी मांग ली है और उन्हें निष्कासित कर दिया गया है। बताया गया कि हिरासत में लिए गए संदिग्धों में से एक ने विश्वविद्यालय के साथ वैज्ञानिक आदान-प्रदान के

प्रतभागी के तौर पर ईरान में प्रवेश किया था। IRGC ने यह भी दावा किया कि संदिग्ध ने कुछ इलाकों में मिट्टी का नमूना लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजनयिकों का उपयोग अक्सर सैन्य स्थलों की तलाश करने और उपकरण और युद्ध सामग्री की पहचान करने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक हिरासत में लिए गए राजनयिकों का इस्तेमाल अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान की फाइल के सैन्य पहलुओं से संबंधित एक नया मामला बनाने के लिए किया जा रहा था। यह उच्च स्तरीय गिरफ्तारी तब हुई है जब ईरान और विश्व शक्तियों के बीच जेसीपीओए परमाणु समझौते पर वापस लौटने का प्रयास थमा हुआ है। ईरान ने जुलाई 2015 में देश पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने पर सहमत होते हुए विश्व शक्तियों के साथ जेसीपीओए पर हस्ताक्षर किए थे।

संकटग्रस्त श्रीलंका की नजर अब भारतीय पर्यटकों पर, टूरिज्म बढ़ाने के लिए बनाया ये प्लान

तेहरानः संकटग्रस्त श्रीलंका ने आर्थिक मंदहाली से निकलने के लिए अब भारतीय पर्यटकों को लुभाने का प्लान बनाया है। श्रीलंका के पर्यटन मंत्री ने बुधवार को कहा कि संकटग्रस्त द्वीप में अधिक विदेशी मुद्रा लाने के लिए श्रीलंका अपने दुनिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले उत्तरी पड़ोसी भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पांच प्रमुख भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेगा। अपनी रोलिंग पहाड़ियों, प्राचीन समुद्र तटों और शांत समुद्र तटीय शहरों के लिए जाना जाता श्रीलंका सात दशकों में अपने सबसे खराब वित्तीय संकट से जूझ रहा है। देश के हालात आर्थिक कुप्रबंधन और कोविड-19 महामारी से अधिक खराब हो गए और इसी कारण देश से आकर्षक पर्यटन उद्योग का

सफाया हो गया है।

22 मिलियन लोगों का देश श्रीलंका अब आवश्यक वस्तुओं का आयात करने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा के का आभाव से जूझ रहा है । आर्थिक तंगी के चलते ही देश में दवा, भोजन और ईंधन की कमी हो गई है। खास बात यह है कि राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद श्रीलंका ने इस साल के पहले पांच महीनों में 61,951 भारतीय पर्यटकों की लगातार भीड़ देखी हैजो किसी भी विदेशी देश से सबसे अधिक है। यही वजह कि श्रीलंकन सरकार ने अब अपनी कंगाली दूर करने के लिए अधिक भारतीयों को आकर्षित करने की योजना बनाई है।पर्यटन मंत्री हरिन फर्नांडो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'श्रीलंका को इस संकट से उभरने के लिए पर्यटन राजस्व बड़ा सहायक साबित हो सकता है। फर्नांडो ने कहा कि इसके लिए श्रीलंका का पर्यटन मंत्रालय पांच प्रमुख भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेगा, जिसमें डेस्टीनेशन वेडिंग के अलावा व्यापार और घूमने के इच्छुक यात्रियों को आकर्षित करने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा, 'भारत हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण बाजार है।' फर्नांडो ने कहा कि पिछले साल 200,000 की तुलना में देश इश साल लगभग दस लाख पर्यटकों के आने की उम्मीद करता है। हालांकि ब्रिटेन सहित कुछ देशों ने नागरिकों को केवल श्रीलंका की आवश्यक यात्रा करने के लिए सलाह जारी की है। फर्नांडो ने कहा, 'हमें विश्वास है कि सर्दी का मौसम अच्छा रहेगा। बता दें कि आर्थिक मंदहाली के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे श्रीलंका में ईंधन की कमी के कारण देश भर में सरकारी स्कूल व दफ्तर बंद कर दिए गए हैं और कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है। देश अगस्त में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष को अपनी ऋण पुनर्गठन योजना पेश करेगा, जो अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए संभावित .3 बिलियन के कार्यक्रम को हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

तालिबान के सर्वोच्च नेता ने कहा- किसी हमले के लिए अफगानिस्तान की धरती का नहीं किया जाएगा इस्तेमाल

काबुलः तालिबान का सर्वोच्च नेता मुल्ला हैबातुल्ला अखुंदजादा ने कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल अन्य देशों पर हमले के लिए नहीं किया जाएगा। साथ ही, उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने की अपील की।

अफगानिस्तान का इस्तेमाल अन्य देशों पर हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा

तालिबान ने कहा कि वह 2020 में अमेरिका के साथ हस्ताक्षर किए गए एक समझौते का पालन कर रहा है, जिसमें उन्होंने आतंकवादियों से लड़ने का वादा किया था। पिछले साल अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से तालिबान ने बार-बार कहा है कि अफगानिस्तान का इस्तेमाल अन्य देशों पर हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा।

अखुंदजादा ने ईद उल अजहा की छुट्टियों से पहले अपने संबोधन में कहा कि हम अपने पड़ोसियों, क्षेत्र और विश्व को आश्वस्त करते हैं कि हम अपनी धरती का इस्तेमाल किसी अन्य देश की सुरक्षा को खतरा डालने के लिए नहीं करने देंगे।

तालिबान के आध्यात्मिक गुरु अखुंदजादा ने ईद उल अजहा पर अपने संदेश में कहा कि परस्पर संपर्क और प्रतिबद्धता के ढांचे के तहत हम अमेरिका समेत विश्व के साथ अच्छा, राजनयिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंध चाहते हैं तथा हमारा मानना है कि यह सभी पक्षों के हित में है।

तालिबान शासन के लिए समर्थन मांगा

उल्लेखनीय है कि काबुल में उलेमा और कबायली सरदारों की तीन दिवसीय सभा बीते शनिवार को संपन्न हुई जिसमें तालिबान शासन के लिए समर्थन मांगा गया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से देश की तालिबान नीत सरकार को मान्यता देने की अपील की गई।

एयर एंबुलेंस से दिल्ली पहुंचे लालू यादव एम्स में हो रहा इलाज

नई दिल्ली। कुछ दिनों पहले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उनको पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी, जिस वजह से बुधवार शाम उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए पटना से दिल्ली लाया गया। फिलहाल उनको अभी एम्स में भर्ती करवाया गया है। वहां पर ही उनका आगे का इलाज हो रहा है। दरअसल लालू 3 जुलाई को सीढ़ियों से गिर गए थे। इस वजह से उनके हाथ और कंधे पर चोट लग गई थी। सूत्रों के मुताबिक लालू यादव के फेफड़े में पानी भर गया है। उनका इलाज पारस अस्पताल में चल रहा था, लेकिन बाद में डॉक्टरों ने उनको दिल्ली रेफर कर दिया। उनके बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी मीसा भारती भी उनके साथ दिल्ली आए हैं। हालांकि पारस अस्पताल के डॉक्टर ये बात कह रहे हैं कि उनकी हालत में काफी सुधार हुआ है। ऐसे में घबराने की कोई बात नहीं है। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा कि उनके पिता लालू यादव को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली लाया गया। वहां पर एम्स में उनका इलाज हो रहा है। अगर जरूरत पड़ती है, तो वो उन्हें सिंगापुर भी लेकर जाएंगे। इससे पहले उन्होंने सभी से अपील की थी कि वो अस्पताल ना आएं, क्योंकि इससे उनके पिता और परिवार को दिक्कत हो रही थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पारस अस्पताल पहुंचे और लालू यादव के स्वास्थ्य का अपडेट लिया। उन्होंने ईश्वर से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही ऐलान किया कि उनके इलाज का पूरा खर्च बिहार सरकार उठाएगी। नीतीश कुमार ने कहा कि ये लालू यादव का हक है, इस वजह से उन्होंने ये फैसला लिया है। इससे एक दिन पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने तेजस्वी को फोन कर पूर्व सीएम के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

टीएमसी नेता सहित दो अन्य लोगों की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी -आरोपियों ने गला कटने की कोशिश की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में टीएमसी नेता स्वपन माझी की गुरुवार की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके साथ ही दो अन्य लोगों को गोली मारी गई, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह तिहरा हत्याकांड गुरुवार की सुबह उस वक्त हुआ, जब टीएमसी नेता बाइक से अपने दो साथियों के साथ घर से निकले थे। इस दौरान कुछ लोगों ने मोटरसाइकिल को रोककर अंधाधुंध फायरिंग कर फरार हो गए। गोलियां लगने से टीएमसी लीडर और उनके दोनों साथियों की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल भारी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया। स्वपन माझी टीएमसी नेता और स्थानीय पंचायत के सदस्य भी थे। कैनिंग पश्चिम के टीएमसी विधायक परेश राम दास ने कहा कि हत्यारों ने पहले तब टीएमसी नेता सहित तीन लोगों को गोली मारी और फिर उनके सिर भी काटने की कोशिश की थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'तीन लोगों की हत्या हुई है। मृतकों की पहचान स्वपन माझी, झानतु हलदर और भूतनाथ प्रामाणिक के तौर पर हुई है। यह घटना सुबह करीब 9 बजे हुई, जब तीनों टीएमसी के स्थानीय दफ्तर जा रहे थे। दरअसल 21 जुलाई को टीएमसी की दक्षिण 24 परगना में एक रैली होने वाली है। उसकी तैयारियों के लिए ही स्वपन माझी अपने साथियों के साथ निकले थे। कैनिंग की गोपालपुर पंचायत के वह सदस्य थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक अज्ञात लोगों ने मोटरसाइकिल को रोका था, जिसमें स्वपन माझी सहित तीनों लोग सवार थे। पहले उन लोगों ने माझी को गोली मारी और फिर जब हलदर और प्रमाणिक ने भागने की कोशिश की, तब उन्हें भी गोली मार दी गई। उन लोगों की हत्या करने के बाद उनका गला भी काटने की कोशिश की गई थी। विधायक दास ने कहा, माझी मंगलवार रात को मेरे पास आए और कहा था कि मेरी हत्या की जा सकती है। मैंने उनसे कहा था कि गुरुवार दोपहर को आए ताकि मैं पुलिस से बात करूं और सुरक्षा की कुछ व्यवस्था कराई जा सके।' इस घटना के लिए टीएमसी ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है, वहीं भाजपा का कहना है कि यह उसकी आंतरिक कलह का नतीजा है। टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, हम मामले में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। यह टीएमसी पर हमला है। भाजपा हमारे दल को कमजोर करना चाहती है और राज्य की छवि को भी खराब करने का प्रयास कर रही है।

वायरल वीडियों में नूपुर शर्मा की गर्दन काटने की बात कहने वाला गिरफ्तार

बरेली (उत्तर प्रदेश)। जिले के फरीदपुर कस्बे से भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गर्दन काटने की कथित धमकी देने के आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने पर की गई, जिसमें आरोपी कथित तौर पर शर्मा का गला काटने की बात कर रहा है। बरेली के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि वायरल वीडियों में एक व्यक्ति नुपूर शर्मा की गर्दन काटने की बात कहता दिखाई दे रहा है तथा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने एवं वर्ग विशेष के धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से वक्तव्य दे रहा है। उन्होंने बताया कि तत्काल प्रकरण का संज्ञान लेकर जांच कराई गई, तो यह प्रकरण बरेली जिले के थाना फरीदपुर से संबंधित पाया गया है। अग्रवाल ने बताया कि इस संबंध में फरीदपुर थाना में मामला पंजीकृत कर नासिर नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि नासिर, फरीदपुर थाना के अंतर्गत कस्सावान कस्बे का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक नासिर की फरीदपुर कस्बे में दर्जी की दुकान है।

कर्नाटक एसीबी प्रमुख ने न्यायाधीश की टिप्पणी को हटाने के लिए याचिका दायर की

बेंगलुरु। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के एडीजीपी सीमांत कुमार सिंह ने रिश्वत से जुड़े एक मामले में जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान उनके और राज्य भ्रष्टाचार रोधी निकाय के खिलाफ एकल न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणी को हटाए जाने का अनुरोध करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है। अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजीपी) की याचिका में न्यायमूर्ति एच. पी. संदेश की उस टिप्पणी का जिक्र किया गया गया है जिसमें उन्होंने एसीबी को एक वसूली केंद्र और सिंह को दागी अधिकारी कहा था। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता विद्वान एकल न्यायाधीश की मौखिक टिप्पणियों से बहुत आहत हैं और इससे (टिप्पणियों से) याचिकाकर्ता और एसीबी की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान हुआ है। इस मामले की शुरुआत तब हुई, जब भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी सिंह को 30 मई को उप तहसीलदार महेश पी. एस. की जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संदेश के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा गया था। अदालत ने सवाल किया था कि तत्कालीन उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ को मामले में आरोपी क्यों नहीं बनाया गया। इसके बाद अदालत से वादा किया गया कि उन्हें मामले में पक्ष बनाया जाएगा। 29 जून को मामले की अगली सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने सिंह और निकाय के खिलाफ तब टिप्पणी की जब उन्होंने गौर किया कि डीसी को अभी तक पक्ष नहीं बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने किया हज़रतबल दरगाह का दौरा, ईद की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने बृहस्पतिवार को यहां हज़रतबल दरगाह का दौरा किया और ईद-उल-अजहा की तैयारियों की समीक्षा की। ईद रविवार को मनाई जाएगी। उपराज्यपाल के साथ जम्मू-कश्मीर के वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

अधिकारियों ने बताया कि सिन्हा ने प्रसिद्ध डल झील के सामने स्थित पवित्र दरगाह में ईद की नमाज़ अदा करने वाले नमाज़ियों के लिए बिजली, साफ-सफाई और पानी की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल ने प्रशासन से रविवार को होने वाली बारिश के पूर्वानुमान की स्थिति में सभी ज़रूरी इंतजाम करने को भी कहा। सिन्हा ने ट्विटर पर कहा कि यह त्योहार लोगों को दयालुता, परोपकार और मानवता की भलाई के लिए काम करना सिखाता है। उपराज्यपाल ने ट्विटर पर लिखा, हज़रतबल दरगाह में जियारत की। ईद-उल-जुहा के शुभ अवसर के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की,यह (त्योहार) लोगों को दयालु, परोपकारी बनने व मानवता की भलाई के लिए कार्य करना सिखाता है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले, जमू कश्मीर प्रशासन ने आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया

श्रीनगर। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है। शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान कहा, 'आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में, जम्मू कश्मीर शांति और विकास के रस्ते पर आगे बढ़ रहा है। सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है।' सोनावर में दार्शनिक और समाज सुधारक रामानुजाचार्य की 'शांति प्रतिमा' (स्टेच्यू ऑफ पीस) का अनावरण करने का बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने यह बात कही।

शाह ने कहा कि सिन्हा के नेतृत्व में प्रशासन ने कश्मीर के लोगों को बिना किसी भेदभाव के विकास उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा, 'लंबे समय तक, देश के लोगों को उम्मीद थी कि अनुच्छेद 370 के प्रावधान और अनुच्छेद 35ए हटाने के बाद जम्मू कश्मीर का राष्ट्र के साथ एकीकरण हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उम्मीद को पूरा किया। पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में एक नए युग की शुरुआत हुई।' शाह ने कहा कि उन्हें यह सोचकर शांति मिलती है कि श्रीनगर में सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार हो सका। उन्होंने कहा, 'श्रीनगर में शांति प्रतिमा का अनावरण होना भारत के लोगों के लिए अच्छा संकेत है विशेष रूप से जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि शांति प्रतिमा कश्मीर के हर धर्म के लोगों के लिए रामानुजाचार्य की शिक्षा और उनका आशीर्वाद लाएगी और उन्हें शांति तथा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाएगी।'

शाह ने कहा कि रामानुजाचार्य ने ज्यादातर काम दक्षिण भारत में किया लेकिन एक महत्वपूर्ण पांडुलिपि 'बोदायन वृत्ति' को लाने के लिए वह कश्मीर गए क्योंकि उसकी एक ही प्रति उपलब्ध थी जो घाटी के शाही पुस्तकालय में रखी थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'कश्मीर के राजा ने न केवल अपने पुस्तकालय के द्वार खोल दिए बल्कि रामानुजाचार्य का स्वागत भी किया।' रामानुजाचार्य की चार फुट ऊंची प्रतिमा हाथ जोड़कर बैठे हुए मुद्रा में है। छह सौ किलोग्राम की इस प्रतिमा को जमीन से तीन फुट की ऊंचाई पर रखा गया है।

मोदी सरकार ने गेहूं के आटे के निर्यात पर सख्ती बढ़ाई

नई दिल्ली। देश में आटा की बढ़ती कीमतों और निर्यात की गुणवत्ता को देखकर मोदी सरकार ने गेहूं के आटे के निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की अधिसूचना से इसकी जानकारी मिली है। इसके मुताबिक गेहूं के आटे का निर्यात मुक्त रहेगा, लेकिन यह अंतर-मंत्रालयी समिति की सिफारिश के अधीन होगा। इसके तहत अब सभी निर्यातकों को शिपमेंट से पहले गेहूं निर्यात पर अंतर-मंत्रालयी समिति से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। पहले इस तरह के नियम नहीं थे। दरअसल नोटिफिकेशन में लिखा गया है, गेहूं और गेहूं के आटे में वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान ने कई नए प्लेयर्स मार्केट में आ गए हैं। इस वजह से कीमतों में उतार-चढ़ाव और गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों पर गौर करने की जरूरत हो गई है। भारत से गेहूं के आटे के निर्यात की गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है। इसके अलावा कीमतों पर भी काबू रखना अनिवार्य है।' नोटिफिकेशन के मुताबिक गेहूं के आटे की निर्यात नीति मुक्त रहती है और इस पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है।यह प्रावधान मैदा और अन्य तरह के आटों के निर्यात पर भी लागू होगा। वहीं, यह फैसला 12 जुलाई से प्रभावी होने वाला है। पिछले महीने खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने गेहूं के आटे के निर्यात पर संभावित अंकुश लगाने का संकेत दिया था। उन्होंने सुझाव दिया गया था कि गेहूं को निर्यात के लिए ज्यादा मात्रा में आटे में परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि गेहूं एक रेग्युलेटेड कमोडिटी है। बता दें कि बीते मई माह में सरकार ने गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में एलएसी से पीछे हटने का आग्रह किया

विदेश मंत्री ने चीनी विदेश मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सेनाओं को आमने-सामने से हटाने को लेकर लंबित मुद्दों को तुरंत सुलझाने का आग्रह कर कहा कि भारत-चीन संबंधों में तीन प्रकार की परस्परता-परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता एवं पारस्परिक हितों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर गुरुवार को चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी से भेंट की। जिसमें डॉ. जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर लंबित मुद्दों का त्वरित समाधान का आह्वान किया। उन्होंने कुछ इलाकों में सेनाओं से आमने सामने से हटाने के निर्णय के क्रियान्वयन का हवाला देकर सभी बकाया मोर्चों से सेनाओं की पूर्ण वापसी की जरूरत पर बल दिया ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता कायम हो सके।

डॉ. जयशंकर ने दोनों मंत्रियों के बीच पिछली वार्ताओं में बनी सहमति के पूर्णत-पालन की अहमियत पर बल दिया। इस संबंध में दोनों मंत्रियों ने कहा कि दोनों पक्षों के सैन्य एवं कूटनीतिक अधिकारियों को नियमित संपर्क में रहना चाहिए। उन्होंने अगले दौर की सीनियर कमांडर स्तर की बैठक किसी नजदीकी तिथि को बुलाने की अपेक्षा व्यक्त की।

डॉ. जयशंकर ने वांग यी ने मार्च में दिल्ली में हुई मुलाकात को यादकर उसके बाद प्रमुख मुद्दों पर हुई प्रगति की समीक्षा की। जिसमें भारतीय छात्रों की चीन के शिक्षण संस्थानों में वापसी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों को वापसी की प्रक्रिया तेज होनी चाहिए। दोनों मंत्रियों ने अन्य क्षेत्रीय एवं वैश्विक गतिविधियों पर भी वैचारिक आदान प्रदान किया। वांग यी ने ब्रिक्स की चीन की अध्यक्षता में भारत के सहयोग की सराहना की और जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की भारत की अध्यक्षता को चीन की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने एक दूसरे के नियमित संपर्क में रहने पर भी सहमति जाहिर की।

ओम प्रकाश चौटाला की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। दरअसल, ओम प्रकाश चौटाला ने सीबीआई की विशेष अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। साथ ही 4 साल की जेल की सजा को निलंबित करने की भी मांग की है। बता दें कि बीते 27 मई को×ठ्ठद्बह्यश्च;आय से अधिक संपत्ति मामले में ओम प्रकाश चौटाला की सजा पर फैसला हुआ था। दिल्ली की स्पेशल सीबीआई अदालत ने आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार दिए गए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल की सजा सुनाई और पचास लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इतना ही नहीं, कोर्ट ने चौटाला की चार संपत्तियों को भी जब्त करने का आदेश दिया था। अदालत ने कोर्ट रूम से ही ओम प्रकाश चौटाला को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। इस तरह चौटाला कोर्ट से सीधे जेल गए थे। चौटाला की तरफ से इस मामले में अपील फाइल करने के लिए 10 दिन का समय मांगा गया था, इस पर जज ने कहा था कि आप हाईकोर्ट जाइए। बता दें कि गुरुवार को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। दरअसल, विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने वर्ष 1993 से 2006 के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के दोषी करार दिए गए ओपी चौटाला और सीबीआई के वकीलों की गुरुवार को सजा पर बहस सुनी थी। ओपी चौटाला ने बहस के दौरान बुढ़ापे और चिकित्सा आधार पर कम से कम सजा देने का अनुरोध किया था। वहीं, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अधिकतम सजा देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि इससे समाज में संदेश जाएगा। एजेंसी ने कहा था कि चौटाला का बेदाग इतिहास नहीं है और यह दूसरा मामला है जिसमें उन्हें दोषी करार दिया गया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बोले, मुर्मू का राष्ट्रपति बनना देश के लिए गर्व की बात होगी

ठाणे। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह गर्व की बात है कि आदिवासी समुदाय की सदस्य द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित किया गया है। शिंदे ठाणे जिलाधीश कार्यालय में बैठकें करने के बाद बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कुछ मीडियाकर्मियों ने उनसे शिवसेना के लोकसभा सांसद राहुल शेवाले के उस बयान के बारे में पूछा था, जिसमें शेवाले ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से पार्टी सांसदों को राजग प्रत्याशी मुर्मू के आदिवासी समुदाय से ताल्लुक होने तथा समाज में उनके योगदान पर विचार करते हुए उनका समर्थन करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुर्मू को देश की राष्ट्रपति बनने का अवसर दिया है। यह गर्व और सम्मान की बात है। मुझे भी गर्व है कि आदिवासी समुदाय की एक सदस्य को इस पद के लिए नामांकित किया गया है।'' राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को होगा तथा मतगणना 21 जुलाई को होगी। वर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में पूछने पर शिंदे ने कहा कि उन्होंने हाल फिलहाल में पवार से मुलाकात नहीं की और यह तस्वीर हालिया वक्त की नहीं है। शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पवार से नहीं मिले हैं।

दिसंबर में जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा भारत, दलाई लामा को लेकर चीन की आपत्ति पर भी दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची कई मुद्दों को लेकर आज एक संवावदाता सम्मेलम किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत इस साल दिसंबर में त्न20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा और अगले साल शिखर सम्मेलन के अलावा हमारी अध्यक्षता के दौरान देशभर में विभिन्न स्तरों पर बड़ी संख्या में त्न20 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे साथ ही उन्होंने चीन को भी करारा जबाव दिया है। दरअसल, चीन ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को उनके 87वें जन्मदिन पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा था कि भारत को चीन के आंतरिक मामलों में दखल देने से परहेज करते हुए तिब्बत से जुड़े मुद्दों का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए।

इसके जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने पिछले साल भी दलाई लामा के साथ बात की थी, यह हमारी सरकार की सतत नीति रही है कि उन्हें भारत में अतिथि के रूप में माना जाए। देश में उनके बड़े फॉलोअर्स हैं। उनका जन्मदिन भारत और दुनिया भर में मनाया जाता है। विवो विवाद पर अरिंदम बागची ने कहा कि यहां काम करने वाली कंपनियों को देश के कानून का पालन करने की जरूरत है। हमारे कानूनी अधिकारी देश के कानून के अनुसार कदम उठा रहे हैं। भारत से भागे वीवो निदेशकों पर उन्होंने कहा कि हमें अधिकारियों से जानकारी नहीं मिली है। यह एक कानूनी मुद्दा है, जब भी हमें कुछ मिलेगा और चीन से बात करने की जरूरत है, हमारे पास पारस्परिक सहायता की एक प्रणाली है।

यूके पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ये आंतरिक घटनाक्रम हैं, हम इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं। पीएम मोदी और पीएम जॉनसन की गहरी दोस्ती थी। यूके के साथ हमारी बहुआयामी साझेदारी है और हमें उम्मीद है कि यह जारी रहेगा। हम नेतृत्व परिवर्तन पर टिप्पणी नहीं करेंगे। चीनी विदेश मंत्री से एस जयशंकर की मुलाकात पर उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान और घर्षण क्षेत्रों में प्राप्त विघटन के बारे में बात की। उन्होंने शांति और शांति बहाल करने के लिए पूर्ण विघटन के लिए गति बनाए रखने की आवश्यकता दोहराई।

एमएसपी पर तत्काल समिति गठित हो, 'अनाज संकट' पर श्वेत पत्र लाया जाए: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बारे में नीति आयोग के एक सदस्य के बयान को लेकर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि यह किसानों को सरकार द्वारा दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ने की तरह है। पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सरकार से यह आग्रह भी किया कि सरकार को संयुक्त किसान मोर्चा से किए गए वादे के मुताबिक एमएसपी पर तत्काल समिति गठित करनी चाहिए और देश में चल रहे 'अनाज संकट' पर श्वेत पत्र लाना चाहिए। हुड्डा ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि देश में 'अनाज संकट' है क्योंकि बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात कर दिया गया और कई भाजपा शासित राज्यों ने भी केंद्र सरकार से गेंहू की मांग की है।

उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस, सरकार के 'विश्वासघात' के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों का नैतिक समर्थन करती है। संयुक्त किसान मोर्चा ने पिछले दिनों कहा था कि सरकार द्वारा इस कथित विश्वासघात के विरोध में, 18 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से 31 जुलाई - शहीद ऊधम सिंह के शहादत दिवस तक, देशभर में जिला स्तर पर विश्वासघात के खिलाफ विरोध जनसभाओं का आयोजन किया जाएगा। हुड्डा ने कहा, ''संयुक्त किसान मोर्चा के साथ जो समझौता हुआ था कि उसके तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति बननी चाहिए थी। अब तक अजय कुमार मिश्रा को मंत्री से हटाया भी नहीं गया। यह विश्वासघात है।''

उन्होंने नीति आयोग के एक सदस्य के बयान का हवाला देते हुए कहा कि यह किसानों को दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ना है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने बुधवार को कहा कि कृषि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि बाजार प्रतिस्पर्धी और कुशल न हो जाए, लेकिन इसे खरीद के अलावा अन्य किसी माध्यम से दिया जाना चाहिए। एमएसपी के विषय को लेकर हुड्डा ने दावा किया, ''28 मार्च को सरकार की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा के लोगों के पास फोन आया था कि समिति के लिए दो-तीन नाम दे दो। मोर्चा की तरफ से पूछा गया कि समिति को बनाने का मानदंड और अधिकार क्षेत्र क्या होगा? सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया।

सरकार ने धोखा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''वादा था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुना की जाएगी, लेकिन यह तो हुआ नहीं, बल्कि किसानों का कर्ज और खर्च बढ़ गया। अब भाजपा के लोग किसानों की आय दोगुनी करने की बात ही नहीं करते। यह बड़ा धोखा किया गया है।'' हुड्डा ने सरकार से आग्रह किया, ''तत्काल एमएसपी पर समिति का गठन हो। अनाज संकट पर श्वेत पत्र लाए जाए ताकि पता चल सके कि 10 प्रदेशों के भंडार में कटौती क्यों करनी पड़ी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने के आरोप में 5 शख्सों को पहुंचाया जेल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,पिछले कई दिनों से देश के विभिन्न राज्यों में सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए सुरक्षा एजंसियां सतर्क हो गई हैं। गुजरात में ऐसी किसी प्रकार की घटनाओं से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। खासकर सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करने वालों पर पुलिस की बाज नजर है। ऐसे में नवसारी पुलिस ने सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाडने वाले पोस्ट करने वाले 5 शख्सों को सलाखों के पीछे धकेल दिया है। दरअसल कुछ दिन पहले नवसारी के शांतादेवी रोड क्षेत्र में विशेष समुदाय के व्यक्ति की दुकान बंद कराए जाने की सोशल मीडिया अफवाह फैलाई गई थी। जिसके बाद नवसारी के एसडीपीआई के वॉट्सएप ग्रुप में विशेष समुदाय के व्यक्ति की दुकान बंद कराने के मुद्दे पर लोगों में वैमनस्यता फैलाने वाली पोस्ट की गई थी। इस मामले में नवसारी शहर पुलिस ने एसडीपीआई के सदस्यों के खिलाफ जांच कर उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी और उसके आधार पर नवसारी के अब्दुल कादिर सैयद, आफताब दांती, महमद नवसारका, इमरान पठान और मोहसीन सैयद समेत पांच शख्सों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

बीएसएफ ने हरामीनाला के निकट से 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ, कच्छ के हरामीनाला के निकट से भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने फिर एक बार बड़ी कार्यवाही करते हुए 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को दबोच लिया। कच्छ के हरामीनाला के निकट गैरकानूनी गतिविधियों से निपटने के लिए बीएसएफ की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। गश्त के दौरान बीएसएफ के खास अम्बुस बल द्वारा पिलर

संख्या 1165 और 1166 के निकट से 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को धर लिया। हांलाकि पाकिस्तानी बोट की तलाशी में मछली के अलावा और कुछ बरामद नहीं हुआ। गौरतलब है हरामीनाला के निकट आए दिन बीएसएफ द्वारा पाकिस्तानी बोट समेत मछुआरों को पकड़ा जाता है। 10 दिन पहले भी बीएसएफ ने 2 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा था। उसी हरामीनाला क्षेत्र से फिर एक बार बीएसएफ ने 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को गिरफ्तार किया है।

हिन्दुओं को मिल रही धमकियों के चलते विश्व हिन्दू परिषद में शुरूकी हेल्पलाइन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नुपूर शर्मा के विवादित बयान के बाद देशभर में धमकियों का एक सिलसिला हो गया है। गुजरात में ऐसी धमकियां सामने आने के बाद विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने हिन्दुओं के लिए हेल्पलाइन शुरू करते हुए इसके नंबर जारी किए हैं। राज्य के तीन शहरों में यह हेल्पलाइन शुरू की गई है। विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्रीय सचिव अशोक रावल के मुताबिक देशभर में जेहादी तत्वों द्वारा हिन्दुओं को धमकियां दी जा रही हैं। इन धमकियों के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल हिन्दुओं के साथ ही खड़े थे, लेकिन अब उन्होंने लोगों के हेल्पलाइन शुरूकर दी है। अगर किसी हिन्दू को धमकी मिलती है या उसे परेशान किया जा रहा है तो विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल उसे कानूनी और आर्थिक मदद करेंगे। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल की हेल्पलाइन उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में शुरूकी गई है और यह 24 घंटे कार्यरत रहेगी। उत्तर गुजरात में हेल्पलाइन का नंबर 8735873595, सौराष्ट्र में 777775774 और 9879014841 तथा दक्षिण गुजरात में 9426363324 जारी किया गया है।

गुजरात के नगरों में बनेंगे 'मॉडल फायर स्टेशन', मुख्यमंत्री ने मंजूर किए 105.82 करोड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के अग्निशमन बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाकर उसे समयानुकूल उपकरणों से लैस करने का जनहितकारी दृष्टिकोण अपनाया है। राज्य में किसी भी तरह की छोटी-बड़ी प्राकृतिक या मानव सृजित आपदा के दौरान अग्निशमन सेवाओं की आवश्यकता और महत्व को ध्यान में रखते हुए भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 32 नगर पालिकाओं में अत्याधुनिक 'मॉडल फायर स्टेशन' के निर्माण की दिशा पकड़ी है। इस संदर्भ में उन्होंने मॉडल फायर स्टेशन के निर्माण के लिए आणंद नगर पालिका को 6 करोड़ 30 लाख रुपए, नड़ियाद नगर पालिका को 6 करोड़ 22 लाख रुपए, गोधरा

नगर पालिका को 5 करोड़ 94 लाख रुपए और अमरेली नगर पालिका को 5 करोड़ 12 लाख रुपए सहित राज्य की 4 नगर पालिकाओं को कुल 23.58 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। यह मॉडल फायर स्टेशन 5100 वर्ग मीटर क्षेत्र में आकार लेंगे। लगभग 2500 वर्ग मीटर स्थान फायर स्टेशन और स्टाफ क्वार्टर के लिए रखकर शेष जगह का उपयोग मॉकड्रिल और फायर उपकरण रखने के लिए किया जाएगा। नगर पालिकाओं के इस मॉडल फायर स्टेशनों में वाटर ब्राउजर, फायर फाइटर और बुलेट फायर जैसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि शहरी विकास विभाग ने राज्य के 32 जिलों की 32 नगर पालिकाओं में जिले का मुख्य फायर स्टेशन बनाने के लिए 32 विभागीय कार्यालय निर्धारित किए हैं।

जिसके अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिला स्तरीय मुख्यालय की 16 नगर पालिकाओं में फायर स्टेशन के निर्माण के लिए प्रति नगर पालिका 5.14 करोड़ रुपए के हिसाब से 82.24 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक अनुमति मिल चुकी है।

इतना ही नहीं, 2022-23 के बजट में प्रति फायर स्टेशन 1 करोड़ रुपए के हिसाब से 16 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया गया है। इन 32 नगर पालिकाओं के दमकल केंद्रों की सेवाओं को और भी सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक नगर पालिका में 21 दमकल कर्मियों सहित कुल 672 नई रिक्तियों में से ज्यादातर पदों पर भर्ती भी की गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जिला स्तरीय मॉडल फायर स्टेशन के निर्माण के लिए जो रणनीति अपनाई है, उससे जिलों में फायर-अग्नि दुर्घटना के समय तत्काल राहत और बचाव कार्य तेजी से हो सकेंगे।

धोलेरा एसआईआर का भारत सरकार के मिल रहे सम्पूर्ण सहयोग से आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप हो पाया है

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, नेशनल इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम की एपेक्स कमिटी की पहली बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में आयोजित हुई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस बैठक में गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सहभागी हुए। गुजरात के साथ ही हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं उत्तरांखड राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य राज्यों के उद्योग मंत्री भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

बैठक में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (SIR)को केन्द्र सरकार द्वारा मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त किया। पटेल ने कहा कि दिल्ली-मुंबई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC)के अंतर्गत गुजरात की धोलेरा स्ढ्क्र परियोजना ग्रीनफ़ील्ड इण्डस्ट्रियल स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पर साकार हो रही है। धोलेरा एसआईआर परियोजना राज्य सरकार की मुख्य परियोजना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार के सहयोग से यह परियोजना पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान तथा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में माइलस्टोन सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि धोलेरा स्ढ्क्र को केन्द्र सरकार के मिल रहे सम्पूर्ण सहयोग से ही आधुनिक इन्फ़्रास्ट्रक्चर डेवलप हो पाया है। इतना ही नहीं, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा भी यहाँ द्रुतगामी मार्ग (एक्सप्रेस-वे) का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बैठक में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की समिति (CCEA) की गत माह आयोजित बैठक में धोलेरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप अब एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पर तेज़ी से काम किया जा सकेगा। भूपेंद्र पटेल ने धोलेरा में स्थापित होने वाले उद्योगों के लिए रेलवे कनेक्टिविटी सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता के संदर्भ में कहा कि इस हेतु भीमनाथ-धोलेरा रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है तथा संयुक्त मापन सर्वेक्षण पूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आगामी 6 महीनों में इस रेल परियोजना के लिए भूमि उपलब्धता के साथ-साथ निविदा प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए भी प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात नेशनल इण्डर्स्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम में सम्पूर्ण सहयोग देने को तत्पर है। इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ ही मुख्य सचिव के. कैलाशनाथन, उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राज कुमार, धोलेरा SIR के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) तथा पर्यटन सचिव हारित शुक्ला भी उपस्थित रहे।